धनबाद, शुक्रवार
13 नवंबर 2026
वर्ष : 04 अंक : 43
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ



ब्रीफ न्यूज

गुरुनानक होम के बच्चों संग समर्पण शाखा ने मनाई दीपावली

रांची, (एजेंसी)। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की ओर से दीपावली के अवसर पर बारियातू स्थित गुरुनानक होम में गुरुवार को जनसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। शाखा अध्यक्ष शुभा अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जरूरतमंद बच्चों के साथ दीपावली की खुशियां साझा की गईं। इस दौरान बच्चों के बीच मिठाइयां, दीये, पटाखे सहित अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई।यह जानकारी शाखा की मीडिया प्रभारी वेदिका ने दी। उन्होंने बताया कि उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। बच्चों ने दीये जलाए और एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर दीपावली का त्योहार उत्साह के साथ मनाया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्सव और उल्लास का माहौल रहा।शाखा की अध्यक्ष शुभा अग्रवाल ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में खुशियां और उम्मीद का प्रकाश फैलाने का भी अवसर है। संस्था का प्रयास है कि समाज का कोई भी जरूरतमंद बच्चा त्योहार की खुशियों से वंचित न रहे।

कांग्रेस ने जनजातीय समाज को समझा सिर्फ वोट बैंक : अर्जुन मुंडा

पूर्वी सिंहभूम, (एजेंसी) पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कांग्रेस और विपक्ष पर जनजातीय समाज की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने आदिवासी महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों को इतिहास में वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जनजातीय समाज को केवल वोट बैंक के रूप में देखा, जबकि भाजपा जनजातीय गौरव, सम्मान और अधिकारों को प्राथमिकता दे रही है।

गुरुवार को निर्मल गेस्ट हाउस में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए अर्जुन मुंडा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की 151 वीं जयंती पर भाजपा 11 से 18 नवंबर तक देशभर में जनजातीय गौरव सप्ताह मनाएगी। इस दौरान जनजातीय बहुल जिलों, विधानसभा क्षेत्रों और मंडलों में युवा संवाद, स्वाभिमान सम्मेलन, छात्रावास संपर्क अभियान, शोभायात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

मुंडा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल, जमीन और जनजातीय अस्मिता की रक्षा के लिए अंग्रेजी शासन के खिलाफ उलगुलान किया।

पेड़ से हाइवा टकराया, चालक की मौत-बाल बाल बचा खलासी

पलामू, (एजेंसी)। जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के कुदागा गांव में बुधवार की देर रात छर्री लोड हाइवा पेड़ से टकरा गया, जिससे चालक की मौत हो गई, जबकि खलासी बाल बाल बचा। गाड़ी को खलासी चला रहा था। मृतक चालक की पहचान जिले के विश्रामपुर थाना क्षेत्र के पंजरी कला पंचायत अंतर्गत सेमरी गांव निवासी पंकज प्रजापति (28) के रूप में हुई है। गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में किया गया और परिजनों को सौंप दिया गया।

जानकारी के अनुसार चैनपुर के करसो से एक हाइवा छर्री लेकर मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के हाउसिंग कॉलोनी बैरिया आ रहा था। कुदागा गांव में देर रात अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे शीशम के पेड़ से टकरा गया। हादसे में चालक पंकज प्रजापति गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उन्हें इलाज के लिए एमएमसीएच लाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

पंकज प्रजापति मां-बाप के इकलौते पुत्र थे और परिवार का अकेला सहारा थे।

पत्नी की डिलीवरी होने वाली है। एक ढाई साल का बच्चा है। हाइवा नावा बाजार के परेश गुप्ता का बताया गया है।

विद्यार्थी नौकरी मांगने वाले नहीं, रोजगार सृजनकर्ता बनें : राष्ट्रपति



नई दिल्ली(एजेंसी) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विद्यार्थियों से अपने ज्ञान और कौशल के माध्यम से रोजगार के नए अवसर पैदा करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका अर्जित करना नहीं, बल्कि समाज और देश के विकास में योगदान देना भी होना चाहिए। जब युवा रोजगार सृजनकर्ता बनेंगे, तभी देश के समावेशी विकास को नई गति मिलेगी।

राष्ट्रपति गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और लगन, अनुशासन तथा आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को देश-दुनिया में हो रहे बदलावों और समसामयिक घटनाओं की जानकारी रखनी चाहिए। इससे उनकी तार्किक क्षमता और विश्लेषणात्मक सोच विकसित होगी। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि जब भी वे अपने गांव जाएं तो परिवार, रिश्तेदारों और पड़ोसियों के साथ महत्वपूर्ण घटनाओं तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा करें। इससे समाज के अन्य लोगों को भी लाभ मिलेगा और उनकी शिक्षा अधिक सार्थक बनेगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। इस-के लिए देश के प्रत्येक क्षेत्र और समाज के हर वर्ग का समान विकास जरूरी है। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय जनजातीय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ उनकी विभिन्न प्रतिभाओं को निखारने का अवसर भी उपलब्ध करा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत केवल उन्हें उचित अवसर, अनुकूल वातावरण और सही मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की है।

यह संवाद कार्यक्रम जनजातीय कार्य मंत्रालय की ओर से जनजातीय गौरव पखवाड़ा के तहत आयोजित किया गया। यह पखवाड़ा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष मनाया जाता है।

वायु सेना कमांडर कामिकेज ड्रोन ऑपरेशंस के लिए हमेशा तैयार रहें : राजनाथ सिंह



नई दिल्ली, (एजेंसी) : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को सेनाओं से आग्रह किया कि वे ह्यएलीमेंट ऑफ सरप्राइजह्न को मजबूत बनाए रखें, ताकि तेजी से हो रही टेक्नोलॉजी में तरक्की और मॉडर्न युद्ध की बदलती प्रकृति से पैदा होने वाले पारंपरिक और नए खतरों के खिलाफ ऑपरेशनल तैयारी बनी रहे। उन्होंने इंटेलिजेंस और सर्विलांस क्षमताओं को लगातार मजबूत करने, सिस्टम के बीच इंटीग्रेशन बढ़ाने और संभावित खतरों को सामने आने से पहले पहचानने की जरूरत पर भी जोर दिया। साथ ही ऑपरेशन, एडमिनिस्ट्रेशन और एयरोस्पेस सुरक्षा के लिए विकसित एआई एप्लिकेशन भी लॉन्च किए।नई दिल्ली में एयरफोर्स कमांडर्स कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने निगरानी और काउंटर-ड्रोन अभियानों को लेकर उच्चस्तर की तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी डिफेंस फोर्स को ऐसी काबिलियत और तरीके बनाने चाहिए, जिनसे दुश्मन को रिएक्ट करने या संभलने का समय ही न मिले और यह भी पक्का करना चाहिए कि दुश्मन की किसी अचानक हरकत से हम कभी हैरान न हों। सरप्राइज कई तरह से हो सकता है, पारंपरिक और इलेक्ट्रॉनिक दोनों तरह से। हमारे इंटेलिजेंस और सर्विलांस सिस्टम को और मजबूत करना होगा और ऑपरेशनल तैयारी को बढ़ाना होगा ताकि यह पक्का हो सके कि हमारे लोग किसी भी नई चुनौती का असरदार तरीके से जवाब देने के लिए अलर्ट, फुर्तीले और तैयार रहें।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आजकल की लड़ाइयां पारंपरिक लड़ाई के मैदानों से आगे बढ़कर नॉन-कॉन्टैक्ट डोमेन तक फैल रही हैं, जिसमें मिसाइल, ड्रोन और एड-वांस्ड वेपन सिस्टम अहम भूमिका निभा रहे हैं।

रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास लड़ाइयों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ड्रोन और एयर डिफेंस सिस्टम मॉडर्न लड़ाई के जरूरी हिस्से बनकर उभरे हैं। रक्षा मंत्री ने भारतीय वायु सेना से इलेक्ट्रॉनिक, साइबर और स्पेस समेत लड़ाई के नए डोमेन के लिए खास सिद्धांत और आर्किटेक्चर बनाने को कहा।

झारखंड में राष्ट्रपति शासन की अनुसंशा करें राज्यपाल : आदिवासी संगठन



रांची, (एजेंसी) : झारखंड में लगातार हो रही हत्या, दुष्कर्म की घटनाओं और जमीन दलालों की बढ़ती ज्यादती को लेकर विभिन्न आदिवासी संगठनों ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाया है। केंद्रीय सरना समिति, झा-रखंड प्रदेश के नेतृत्व में विभिन्न आदिवासी सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात कर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने को लेकर अनुसंशा करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर मौजूदा झारखंड सरकार को बर्खास्त करने और आदिवासी नेत्री निशा भगत आत्महत्या मामले में नामजद आरोपितों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को बताया कि झारखंड में हत्या, दुष्कर्म, जमीन कब्जा और जमीन माफियाओं की गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। आम नागरिकों के साथ आदिवासी समाज भी असुरक्षित महसूस कर रहा है। आरोप लगाया गया कि पीड़ितों की ओर से पुलिस-प्रशासन को लिखित शिकायत देने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं होती। इससे अपराधियों का मनोबल बढ़ रहा है और कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

ज्ञापन में आदिवासी नेत्री निशा भगत के मामले को विशेष रूप से उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल का आरोप है कि निशा भगत ने अपनी जान गंवाने से पहले तीन जुलाई को पिठोरिया थाना में, 13 जुलाई को रांची साइबर थाना में रंगदारी और जान से मारने की धमकी देने और 22 जुलाई को घर में चोरी की घटनाओं को लेकर पिठोरिया थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बावजूद पुलिस ने अपेक्षित कार्रवाई नहीं की। इसकी शिकायत उन्होंने रांची के एसएसपी से भी की थी। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। संगठन ने मामले की निष्पक्ष जांच और नामजद आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को बताया कि राज्य में न सिर्फ निशा भगत प्रकरण बल्कि इससे पहले रूपा तिर्की, पाडहा राजा सोमा मुंडा, सूर्य हांसदा, रूबिका पहाड़िया, सुभाष मुंडा, लक्ष्मीकांत मुंडा और संध्या टोपनो सहित अन्य लोगों की हत्याओं ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। इसलिए झा-रखंड में राष्ट्रपति शासन अविलंब लागू हो।

राज्यपाल से मुलाकात करने वालों में अशोक मुंडा, बबलू मुंडा, जगलाल हेंब्रम, संदीप उरांव, मेघा उरांव, सन्नी टोप्पो सहित केंद्रीय सरना समिति, जनजाति सुरक्षा मंच, झारखंड आदिवासी सरना विकास समिति धुर्वा रांची और क्षेत्रीय सरना समिति के प्रतिनिधि मौजूद थे।

नक्सलवाद खत्म होने के बाद बालाघाट के 100 गांवों की बदलेगी तस्वीर, 330 करोड़ की विकास योजना तैयार

शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई और रोजगार के साथ पर्यटन को भी मिलेगा बढ़ावा



भोपाल(एजेंसी) : मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले को नक्सलवाद से मुक्त कराने के बाद अब राज्य सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। जिले के 100 गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए 330 करोड़ रुपये की कार्ययोजना तैयार की गई है। इसमें सड़क, बिजली, पेयजल, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, पर्यटन और रोजगार से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। इनमें से 266 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को मंजूरी भी मिल चुकी है।

गुरुवार को प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी), भोपाल और जिला प्रशासन बालाघाट की ओर से आयोजित मीडिया कार्यशाला में इस कार्ययोजना की जानकारी दी गई। कार्यशाला का उद्देश्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आए बदलाव और विकास की संभावनाओं को सामने लाना था। अधिकारियों ने बताया कि नक्सलवाद की चुनौती समाप्त होने के बाद अब इन इलाकों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। बालाघाट के डीआईजी विनीत जैन ने बताया कि पुलिस और सुरक्षा बलों ने 1239 अभियानों के बाद जिले में नक्सलवाद का खात्मा किया। वहीं, कलेक्टर आदित्य सिंह ने 100 गांवों के विकास के लिए तैयार 330 करोड़ रुपये की कार्ययोजना के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। कार्यशाला में एसपी मलय जैन, एआईजी हॉक फोर्स रवि द्विवेदी, एडीशनल एसपी नितेश भार्गव और पीआईबी के निदेशक मनीष गौतम मौजूद थे।

पांच वर्षों में 337 करोड़ से बने सड़क और पुल

अधिकारियों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में 337 करोड़ रुपये की लागत से 35 सड़क और 43 पुल-पुलियों का निर्माण कराया गया है। इससे करीब 250 गांवों की आवागमन सुविधा बेहतर हुई है। इसके अलावा लगभग 90 मोबाइल टावरों के माध्यम से दूरसंचार नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है, जिससे दूरस्थ गांवों को संचार सुविधाओं से जोड़ने में मदद मिलेगी।

मिशन आदि सेवा से स्थानीय उत्पादों को मिलेगा बाजार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रभावित क्षेत्रों में 'मिशन आदि सेवा' के तहत जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की पहल की जा रही है। इसके अंतर्गत बैगा हाट, होम-स्टे, सं-स्कृतिक पार्क, आर्ट गैलरी और ई-मार्केटप्लेस विकसित किए जा रहे हैं। इनके माध्यम से हस्तशिल्प, बांस शिल्प, काष्ठ शिल्प, रेशम उत्पाद और गोंड पेंटिंग जैसे स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने की योजना है।

विकास कार्यों की निगरानी के लिए जीआईएस तकनीक का उपयोग किया जाएगा। साथ ही गांवों से रोजगार के लिए दूसरे शहरों की ओर जाने वाले लोगों का पंजीयन करने की व्यवस्था भी बनाई जा रही है, ताकि स्थानीय स्तर पर रोजगार की जरूरतों को समझकर योजनाएं तैयार की जा सकें।कार्यशाला में नक्सल प्रभावित गांवों के सरपंचों और युवाओं ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने नक्सलवाद की समाप्ति के बाद गांवों में शांति, सुरक्षा और सरकारी योजनाओं की पहुंच में हुए बदलाव का उल्लेख किया। ग्रामीणों ने क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की सुविधाओं के विस्तार को विकास के लिए जरूरी बताया।

मीडिया से प्रधानमंत्री मोदी का आह्वान, 2047 तक विकसित भारत बनाने में निभाएं अहम भूमिका



नई दिल्ली, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को मीडिया जगत से भारत की उपलब्धियों और देशवासियों की सफलता की कहानियों को प्रमुखता से सामने लाने की अपील की। उन्होंने कहा कि 2047 तक विक-सित भारत बनाने का लक्ष्य केवल सरकार का नहीं बल्कि पूरे देश का संकल्प है। इस अभियान में मीडिया की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी।

यहां भाजपा मुख्यालय में गुरुवार को पत्रकारों के लिए आयोजित दीपावली मिलन समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी को शुभकामनाएं दी और 'नॉन-ब्रेकिंग न्यूज' कार्यक्रम में आने के लिए आभार व्यक्त किया। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा, अश्विनी वैष्णव, मनसुख मांडविया, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा सहित कई नेता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने पत्रकारों के व्यस्त कार्यक्रमों का जिक्र करते हुए कहा कि त्योहारों के समय हर व्यक्ति अपने परिवार और अपनों के साथ समय बिताना चाहता है लेकिन पत्र-काार ब्रेकिंग न्यूज की तलाश में लगातार भागदौड़ करते रहते हैं। इस-के बावजूद कार्यक्रम में पहुंचे सभी पत्रकारों का उन्होंने आभार जताया।

उन्होंने मीडिया के साथ अपने पुराने संबंधों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने प्रेस रिलीज के दौर से लेकर इंस्टाग्राम रील्स तक मीडिया में आए बदलावों को करीब से देखा है।

2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस तरह पत्रकारों के जीवन में डेडलाइन का महत्व होता है, उसी तरह देश भी अब एक निश्चित समयसीमा के साथ आगे बढ़ रहा है। यह समयसीमा 2047 है, जब भारत की आजादी के 100 वर्ष पूरे होंगे।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना आजादी के समय से देश के साथ रहा है लेकिन अब इस सपने को पूरा करने की एक निश्चित तारीख तय है। हमें आजादी के 100 वर्ष पूरे होने से पहले भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि 2047 की डेडलाइन का अर्थ यह नहीं है कि देश तब तक इंतजार करे। हमें अभी से छोटे-बड़े लक्ष्य तय करके उन्हें पूरा करना होगा।

चंद्रयान से मोबाइल निर्माण तक गिनाईं उपलब्धियांप्रधानमंत्री ने भारत की वैज्ञानिक, तकनीकी और आर्थिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने बीते वर्षों में कई ऐसे काम किए हैं, जिनकी कभी कल्पना भी मुश्किल थी।

उन्होंने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास भारत की सफल लैंडिंग, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निमार्ता बनने, चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज बनाने और सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता में 50 गुना से अधिक वृद्धि जैसी उपलब्धियों का जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि भारत ने महज 12 वर्षों में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम तैयार किया है। भारत की सफलता की क-हानियां दुनिया तक पहुंचाए

छठ घाटों को लेकर बर्दाश्त नहीं की जाएगी लापरवाही : मंत्री



रांची, (एजेंसी) : । लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर स्वास्थ्य एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने राज्य के सभी उपायुक्तों और सिविल सर्जनों को सुरक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था दुरुस्त करने का सख्त निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि छठ घाटों पर किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्रद्धालुओं की सु-रक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मंत्री ने गुरुवार को जामताड़ा जिले के विभिन्न छठ घाटों का निर-ीक्षण कर साफ-सफाई, रोशनी, बैरि-केडिंग और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए बोल रहे थे। मौके पर उन्होंने सभी उपायुक्तों को अपने जिलों के तालाबों, नदियों, डैम और घाटों का निरीक्षण कर संवेदनशील स्थानों को चिह्नित करने का निर्देश दिया।

मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि छठ की तैयारी कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर दिखनी चाहिए। हर श्रद्धालु को सुरक्षित घर पहुंचाना उनकी जिम्मेदारी है। लापरवाही करने वाले अधिकारियों को नहीं जाएगा बख्शा।

अधिक गहराई और डूबने की आशंका वाले घाटों पर जरूरत के अनुसार एनडीआरएफ, गोताखोरों और प्रशिक्षित तैराकों की तैनाती होगी।

वहीं, प्रमुख घाटों पर पुलिस बल, मेडिकल टीम, आवश्यक दवाइयां और एंबुलेंस उपलब्ध रखने को कहा गया। मंत्री ने कहा कि सभी सिविल सर्जनों को चिकित्सकों की ड्यूटी का रोस्टर तैयार करने और आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

निरीक्षण के दौरान मंत्री के अलावे अधिकारी पदाधिकारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार हाइवा ने युवक को कुचला, मौके पर मौत



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र में हटिया जाने वाली सड़क पर तेज रफ्तार हाइवा की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही जगन्नाथपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस उसकी शिनाख्त करने के साथ दुर्घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

झारखंड में बढ़ने लगी ठंड, 10.1 डिग्री तापमान के साथ गुमला सबसे ठंडा



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । झारखंड में मौसम का मिजाज धीरे-धीरे बदलने लगा है और ठंड का असर बढ़ने लगा है। राज्य के कई जिलों में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। गुरुवार को गुमला राज्य का सबसे ठंडा जिला रहा, जहां न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं लातेहार में 11.1 डिग्री और राजधानी रांची में न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है। विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 12 से 16 नवंबर तक सुबह के समय राज्य के विभिन्न हिस्सों में हल्के से मध्यम दर्जे का कुहासा छाया रह सकता है। इसके बाद आसमान मुख्य रूप से साफ रहने का अनुमान है।

राजधानी रांची में 12 से 15 नवंबर तक अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। वहीं 16 नवंबर को अधिकतम तापमान 28 और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री तक पहुंच सकता है।

दूसरी ओर, गुमला में अगले पांच दिनों तक न्यूनतम तापमान करीब 12 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। लातेहार में भी ठंड का असर बना रहेगा और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के आसपास रहने की संभावना जताई गई

ठकुराइन तालाब में छठ की तैयारियों का डीसी-एसपी ने लिया जायजा, सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा । लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने गुदरी बाजार स्थित ठकुराइन तालाब का निरीक्षण कर पूजा की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी, एसडीपीओ, थाना प्रभारी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने तालाब के कम गहराई वाले हिस्सों में चारों ओर बैरिकेडिंग कराने, पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने और श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए यातायात नियंत्रण के लिए विशेष इंतजाम करने का निर्देश दिया। उन्होंने आपात स्थिति से निपटने के लिए तालाब में नाव के साथ प्रशिक्षित तैराकों की तैनाती करने को भी कहा।

इसके अलावा श्रद्धालुओं के आने-जाने के लिए सुगम रास्ता बनाने, तालाब परिसर की साफ-सफाई कराने और पानी की स्वच्छता बनाए रखने के लिए चूना आदि का छिड़काव करने का निर्देश दिया गया। प्रशासन ने पूजा के दौरान सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतने की हिदायत दी।

इस मौके पर छठ पूजा समिति के सदस्य संजय बर्मन ने बताया कि समिति की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए स्वयंसेवकों की तैनाती की जाती है। व्रतियों के लिए चेंजिंग रूम सहित अन्य जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने उपायुक्त से तालाब के समीप स्थित बंद पड़े खूबसूरत पार्क को दोबारा खुलवाने और तालाब के चारों ओर हाईमास्ट लाइट लगवाने की मांग की।

उपायुक्त ने इस पर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। प्रशासनिक निरीक्षण और तैयारियों को लेकर दिए गए निदेर्शों से छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद बढ़ी है।

बाईपास रेलवे ओवरब्रिज पर टैंकर ने कार में मारी टक्कर, सड़क पर वाहन छोड़ भागा चालक



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा।तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत बाईपास रेलवे ओवरब्रिज पर गुरुवार को टैंकर और कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बीच सड़क पर करीब 180 डिग्री घूम गई। हादसे के बाद टैंकर चालक वाहन को सड़क पर ही छोड़कर मौके से फरार हो गया।जानकारी के अनुसार, कार नंबर जेएच 05-डीए-3602 पर पति-पत्नी और उनका बेटा सवार थे। तीनों जमशेदपुर से छठ महापर्व मनाने के लिए सीवान बिहार जा रहे थे। इसी दौरान ओवरब्रिज पर पानी टैंकर एन एल-01के-4106 से कार की टक्कर हो गई. हादसे में कार सवार तीनों लोगों को मामूली चोटें आईं।राहत की बात रही कि दुर्घटना में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। टक्कर के बाद कार क्षतिग्रस्त हो गई।घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई. पुलिस ने कार व टैंकर को जब्त कर लिया है।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का एक और मौका, 18 नवंबर को सभी बूथों पर लगेगा विशेष कैंप

सुबह 11 से शाम 4 बजे तक चलेगा अभियान, पात्र नागरिकों से फॉर्म-6 और जरूरी दस्तावेज लिए जाएंगे

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित पात्र नागरिकों को निर्वाचन आयोग एक और अवसर देने जा रहा है। इसके लिए 18 नवंबर को राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान को 'एक और अवसर' नाम दिया गया है। इसी दिन बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और बूथ लेवल एजेंट (बीएलए-2) की छठी एवं अंतिम बैठक भी होगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने गुरुवार को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर अभियान की जानकारी दी। उन्होंने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे अपने बूथ लेवल एजेंटों के माध्यम से ऐसे पात्र नागरिकों की पहचान करें, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि सभी पात्र भारतीय नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए राजनीतिक दल सक्रिय सहयोग करें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 18 नवंबर को सभी मतदान केंद्रों पर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक विशेष कैंप के साथ चुनाव पाठशाला भी आयोजित होगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। बैठक में एसआईआर के तहत मतदाता सूची की अद्यतन स्थिति, प्राप्त शिकायतों और उनके निष्पादन की जानकारी भी साझा की गई।

तीन श्रेणियों के मामलों पर रहेगा विशेष ध्यान

विशेष कैंप में मुख्य रूप से तीन श्रेणियों के नागरिकों और मतदाताओं के मामलों का निपटारा किया जाएगा। पहली श्रेणी में निर्वाचन आयोग की ओर से दोबारा प्रकाशित एएसडीडी सूची में शामिल ऐसे पात्र भारतीय नागरिक होंगे, जिनका नाम अब तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो पाया



है। ऐसे लोग निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म-6 अथवा इन्यूमरेशन फॉर्म जमा कर सकेंगे।

दूसरी श्रेणी में नो मैपिंग, लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी और अन्य मामलों से जुड़े वे मतदाता शामिल होंगे, जिन्हें निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी की ओर से दो बार नोटिस देने और घर-घर सत्यापन के बावजूद आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने के कारण सुनवाई की प्रक्रिया में रखा गया है। ऐसे मतदाताओं की सूची संबंधित मतदान केंद्रों पर उपलब्ध रहेगी। वे कैंप में पहुंचकर अपने जरूरी दस्तावेज जमा कर सकेंगे।

तीसरी श्रेणी में ऐसे युवा और अन्य पात्र नागरिक शामिल होंगे, जिन्होंने एक अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है, लेकिन उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं हुआ है। इनसे फॉर्म-6 प्राप्त कर नाम जोड़ने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

राजनीतिक दलों से पात्र मतदाताओं की सूची मांगी

के. रवि कुमार ने बताया कि एसआईआर के तहत यह बीएलओ-बीएलए-2 की छठी और अंतिम बैठक होगी। इसलिए सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अपने बीएलए-2 की उपस्थिति सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने दलों से अपने स्तर पर ऐसे पात्र नागरिकों की सूची तैयार करने को कहा है, जिनके नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं।यह सूची 18 नवंबर को संबंधित बीएलओ को सौंपी जा सकती है। इसके अलावा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के व्हाट्सऐप नंबर 6200079297 पर भी भेजी जा सकती है।

बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, राज्य ट्रेनिंग नोडल पदाधिकारी देवदास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर समेत मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

हत्या के दोषी तस्लीम खान की उम्रकैद की सजा हाईकोर्ट ने घटाई, 12 साल बाद रिहाई का आदेश

हत्या की धारा 302 को बदलकर 304 भाग-ककिया, भुगती गई अवधि को माना पर्याप्त; दो अन्य आरोपियों की सजा भी घटी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । झारखंड हाईकोर्ट ने मुकेश कुमार साव की हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए तस्लीम खान को बड़ी राहत दी है। अदालत ने निचली अदालत की ओर से सुनाई गई उम्रकैद की सजा को संशोधित करते हुए उसे अब तक हिरासत में बिताई गई अवधि तक सीमित कर दिया है। इसके साथ ही उसकी दोषसिद्धि भारतीय दंड संहिता की धारा 302 से बदलकर धारा 304 भाग-क के तहत कर दी गई है। अदालत ने निर्देश दिया है कि यदि किसी अन्य मामले में उसकी हिरासत जरूरी नहीं है, तो उसे तत्काल जेल से रिहा किया जाए।

न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने दोनों पक्षों की अपीलों पर एक साथ सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया।

2014 में मारपीट के बाद हुई थी मौत

अभियोजन पक्ष के अनुसार, तीन जून 2014 को सुबह करीब 10 बजे मुकेश कुमार साव अपने घर के आंगन में नहा रहे थे। इसी दौरान चान्हो थाना क्षेत्र के सोंस गांव निवासी



तस्लीम खान, अफरोज खान और तस्लीम की पत्नी नगीना खातून उर्फ नगुआ ने उन पर हमला कर दिया। आरोप था कि तीनों ने मुकेश के साथ लात-घूंसों से मारपीट की। इस दौरान तस्लीम ने उन्हें जमीन पर गिराकर पेट पर पैर से दबाव बनाया, जिससे उनके पेट और पीठ में तेज दर्द होने लगा तथा पेशाब भी रुक गया।

स्थानीय चिकित्सक ने उनकी हालत देखते हुए रांची ले जाने की सलाह दी थी। चार जून 2014 को दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर चान्हो थाना में कांड संख्या 53/2014 दर्ज किया गया। शुरूआत में आरोपियों के खिलाफ धारा 341, 323, 324, 506 और 448 के साथ धारा 34 के तहत मामला दर्ज हुआ था। इलाज के दौरान मुकेश की मौत होने के बाद छह जून को हत्या की धारा 302 भी जोड़ दी गई।

निचली अदालत ने सुनाई थी उम्रकैद

रांची के अपर न्यायिक आयुक्त-पांच की अदालत ने सत्र विचारण संख्या 565/2014 में 12 जून 2017 को तस्लीम खान को हत्या का दोषी करार दिया था। इसके बाद 14 जून 2017 को उसे आजीवन कारावास और दो हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई गई थी। जुमार्ना नहीं देने पर दो महीने की अतिरिक्त साधारण कैद का प्रावधान किया गया था।

वहीं, सह आरोपी अफरोज खान और नगीना खातून को धारा 323 के तहत दोषी ठहराते हुए एक-एक वर्ष की साधारण कैद सुनाई गई थी।

अफरोज और नगीना को भी मिली राहत

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान तस्लीम खान की दोषसिद्धि में संशोधन करते हुए उसे धारा 304 भाग-कके तहत दोषी माना और सजा को उसकी ओर से पहले ही भुगती गई अवधि तक सीमित कर दिया। अदालत ने पाया कि वह करीब 12 वर्षों से हिरासत में है।

इसके अलावा अफरोज खान और नगीना खातून की एक-एक वर्ष की सजा भी घटाकर उनके द्वारा पहले से भुगती गई अवधि तक सीमित कर दी गई। रिकॉर्ड के अनुसार, अफरोज करीब नौ महीने और नगीना तीन महीने से अधिक समय तक हिरासत में रहे थे। अदालत ने दोनों को जमानत बंधपत्र की देनदारी से भी मुक्त कर दिया।

इस तरह हाईकोर्ट ने आवश्यक संशोधनों के साथ दोनों अपीलों का निस्तारण कर दिया और निचली अदालत का रिकॉर्ड तत्काल वापस भेजने का निर्देश दिया।

बिरसा मुंडा के सम्मान में 13 नवंबर से भाजपा की पदयात्रा, उलिहातू से रांची तक चलेगा अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती और जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भाजपा 13 नवंबर को उनकी जन्मस्थली उलिहातू से रांची तक पदयात्रा निकालेगी। सुबह 10 बजे शुरू होने वाली इस यात्रा में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे। शुरूआत में करीब पांच से सात सौ कार्यकताओं के शामिल होने की संभावना है। रास्ते में विभिन्न स्थानों पर स्थानीय कार्यकर्ता और आम लोग भी पदयात्रा से जुड़ेंगे।

पदयात्रा की तैयारियों को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि देश की आजादी और समाज को शोषण से मुक्त कराने के लिए झारखंड सहित विभिन्न क्षेत्रों के जनजातीय महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों ने महत्वपूर्ण संघर्ष किया। भगवान बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो, तेलंगा खड़िया और बुधू भगत जैसे वीर सपूतों ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ आंदोलन कर समाज को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक इन महान विभूतियों को अपेक्षित सम्मान नहीं मिल सका।

नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जनजातीय महापुरुषों के योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की पहल की है। वर्ष 2021 में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत हुई। वर्ष 2023 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उलिहातू पहुंचीं, जबकि 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने खूंटी की धरती से करीब 9700 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं और परिसंपत्तियों का शुभारंभ एवं शिलान्यास किया था। इसी दौरान जनजातीय समुदाय के लिए पीएम-जनमन योजना की शुरूआत भी की गई थी। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में अलग जनजातीय मंत्रालय का गठन किया गया था। वहीं, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मिलीं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे शासनकाल में जनजातीय महापुरुषों को उचित सम्मान नहीं दिया गया। अब राजनीतिक लाभ के लिए संविधान, आरक्षण और समान नागरिक संहिता को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार संविधान और आरक्षण में बदलाव नहीं कर रही है तथा जनजातीय समुदाय के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

गोल्डन आवर में बचेंगी सड़क हादसों में जानें, पीएम राहत योजना की समीक्षा करेंगे संजय सेठ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को समय पर इलाज उपलब्ध कराने और उनकी जान बचाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की पीएम राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारी तेज कर दी गई है। रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ ने योजना की समीक्षा को आगामी जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक के प्रमुख एजेंडे में शामिल करने का निर्देश दिया है। इस संबंध में रांची और सरायकेला-खरसावां के उपायुक्तों को उनके कार्यालय की ओर से पत्र भेजा गया है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के पत्र पर संज्ञान लेते हुए संजय सेठ ने अधिकारियों को योजना के क्रियान्वयन में गंभीरता बरतने को कहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 13 फरवरी 2026 को शुरू की गई इस योजना का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटना के बाद पहले एक घंटे यानी गोल्डन आवर में घायलों को तत्काल कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से सड़क हादसों में होने वाली मौतों को 50 प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य रखा गया है।संजय सेठ ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल प्रत्येक व्यक्ति की जान बचाना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। आर्थिक परेशानी, पहचान संबंधी समस्या अथवा किसी अन्य कारण से घायल व्यक्ति का इलाज नहीं रुकना चाहिए। पीएम राहत योजना यह सुनिश्चित करती है कि दुर्घटना के बाद पीड़ित को बिना आर्थिक चिंता के तत्काल चिकित्सा सहायता मिल सके।उन्होंने बताया कि आगामी दिशा बैठक में जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य एवं परिवहन विभाग के साथ अस्पतालों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। योजना के लाभ से कोई भी पात्र दुर्घटना पीड़ित वंचित न रहे और इसके क्रियान्वयन में लापरवाही न हो, इसके लिए अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाएगी।

योजना के तहत 1.50 लाख तक कैशलेस इलाज

पीएम राहत योजना के तहत किसी भी मोटर वाहन दुर्घटना में घायल व्यक्ति को दुर्घटना की तारीख से अधिकतम सात दिनों तक प्रति व्यक्ति 1.50 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराने का प्रावधान है। नामित अस्पतालों में गैर-जानलेवा मामलों में 24 घंटे और गंभीर मामलों में 48 घंटे तक तत्काल स्थिरीकरण एवं उपचार की सुविधा मिलेगी।

दुबई में हजारीबाग का युवक लापता, 9 नवंबर से परिजनों से संपर्क टूटा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । बेहतर रोजगार और परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने का सपना लेकर दुबई गया हजारीबाग का 25 वर्षीय युवक अचानक लापता हो गया है। गोरहर थाना क्षेत्र के गोरहर गांव निवासी मुकेश कुमार से नौ नवंबर से कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। युवक के लापता होने से उसके परिवार में चिंता और बेचैनी का माहौल है। परिजनों ने राज्य और केंद्र सरकार से मुकेश की तलाश कर उसे सुरक्षित वापस लाने की गुहार लगाई है।

मुकेश कुमार सुकर महतो के पुत्र हैं। वह 28 अक्टूबर 2026 को रोजगार की तलाश में दुबई गए थे। विदेश पहुंचने के बाद शुरूआती दिनों में उनकी परिवार के सदस्यों से बातचीत होती रही। सात नवंबर को उनकी आखिरी बार फोन पर परिजनों से बात हुई थी। इसके बाद उनका मोबाइल बंद हो गया और कोई संपर्क नहीं हो सका।

परिजनों के मुताबिक, दुबई में मुकेश के साथ एक कमरे में रहने वाले लोगों ने बताया कि वह नौ



रोजगार की तलाश में 28 अक्टूबर को गया था विदेश, पत्नी और दो छोटे बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल; सरकार से सुरक्षित वापसी की गुहार

नवंबर को कमरे से बाहर निकले थे, लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटे। काफी प्रयास के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इस सूचना के बाद से परिवार के लोग किसी अनहोनी की आशंका से परेशान हैं।

दो छोटे बच्चों के सिर से छिन गया सहारा

मुकेश के परिवार की स्थिति बेहद चिंताजनक है। उनकी पत्नी गुड़िया देवी के दो छोटे बच्चे हैं। बड़ा बेटा यश कुमार करीब ढाई वर्ष का है, जबकि छोटा बेटा मुनेश कुमार महज सात महीने का है। पति के लापता होने से पत्नी और माता-पिता की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। परिवार को अब केवल मुकेश की सलामती और सुरक्षित वापसी की उम्मीद है।

विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास से हस्तक्षेप की मांग

प्रवासी मजदूरों के हित में काम करने वाले समाजसेवी सिकन्दर अली ने इस मामले में केंद्र सरकार, विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि रोजगार की तलाश में विदेश जाने वाले भारतीय श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। संबंधित एजेंसियों को मुकेश की तलाश के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए और उनकी सुरक्षित वापसी की व्यवस्था करनी चाहिए। वहीं, पंचायत समिति सदस्य लखन कुमार महतो ने भी युवक के लापता होने पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास से मामले को गंभीरता से लेते हुए मुकेश का पता लगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की है।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

अधिवक्ताओं के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए करेंगे हरसंभव प्रयासः पवन रंजन खत्री



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। झारखंड स्टेट बार काउंसिल का चुनाव जीतने पर वरिष्ठ अधिवक्ता पवन रंजन खत्री और धनबाद बार एसोसिएशन के महासचिव जितेंद्र कुमार को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर धनबाद बार एसोसिएशन के सभागार में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी ने की।

समारोह में दोनों नवनिर्वाचित सदस्यों को पुष्पगुच्छ भेंटकर और माला पहनाकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी ने उन्हें जीत की बधाई देते हुए कहा कि अधिवक्ताओं को दोनों से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि वे अधिवक्ताओं के अधिकारों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे। साथ ही उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता पवन रंजन खत्री ने कहा कि अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा और उनके अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए वे हरसंभव प्रयास करेंगे। वहीं, जितेंद्र कुमार ने कहा कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए कानून लागू कराने तथा उनकी अन्य समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस पहल की जाएगी।

समारोह में सुबोध कुमार, दिवाकर श्रीवास्तव, अजय कुमार, आशीष सिन्हा, अमित सिंह, धीरेंद्र ब्रह्मचारी, प्रह्लाद साहब, लक्ष्मी नारायण गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित थे।

जाहेर स्थान की जमीन बचाने के लिए सड़क पर उतरा आदिवासी समाज, अंचल कार्यालय में प्रदर्शन



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। जाहेर स्थान की जमीन पर कथित अवैध कब्जे की कोशिश के विरोध में गुरुवार को आदिवासी समाज ने जोरदार प्रदर्शन किया। बोआकला पंचायत के काड़ामारा गांव से सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक हथियारों के साथ बाघमारा अंचल कार्यालय पहुंचे। प्रदर्शन में महिलाओं और बच्चों ने भी हिस्सा लिया। ग्रामीणों ने जमीन की सुरक्षा सुनिश्चित करने और मामले में प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता रमेश राही ने आरोप लगाया कि बोआकला मौजा स्थित जाहेर स्थान की जमीन को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कब्जे में लेने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये मूल्य की इस जमीन का आदिवासी समाज के लिए धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है, जो किसी भी आर्थिक कीमत से कहीं अधिक है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जमीन पर कब्जे का विरोध करने वाले ग्रामीणों को धमकाया जा रहा है और झूठे मुकदमों में फंसाने की कोशिश की जा रही है। एट लेन के समीप सर्वमंगला स्कूल के सामने स्थित इस जमीन पर कब्जे के प्रयास में अधिकारियों की मिलीभगत होने का भी आरोप लगाया गया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

आदिवासी नेता वीरेंद्र हांसदा ने कहा कि समाज अपनी जमीन, संस्कृति और अस्मिता की रक्षा के लिए अब चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने निशा भगत की आत्महत्या का मामला उठाते हुए इसके लिए भू-माफियाओं को जिम्मेदार ठहराया। साथ ही मांगों पर सुनवाई नहीं होने की स्थिति में मुख्यमंत्री आवास के समक्ष आंदोलन करने की चेतावनी दी।

सीओ ने दिया कार्रवाई का भरोसा

प्रदर्शन के दौरान अंचल अधिकारी गिरजानंद किस्कू ने ग्रामीणों से बातचीत की। उन्होंने आश्वासन दिया कि जाहेर स्थान की जमीन पर किसी को भी अवैध कब्जा नहीं करने दिया जाएगा। मामले में जल्द ही आवश्यक रोकथाम संबंधी कार्रवाई शुरू करने की बात भी कही। प्रशासन के आश्वासन के बाद अब ग्रामीणों की निगाहें आगे की कार्रवाई पर टिकी हैं।

धनबाद रेल मंडल में मेगा टिकट जांच अभियान, 479 यात्री पकड़े गए



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद रेल मंडल में गुरुवार को बड़े पैमाने पर मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। सुनियोजित तरीके से दिन-रात चले इस विशेष अभियान के दौरान बिना टिकट और अनियमित रूप से यात्रा कर रहे कुल 479 यात्रियों को पकड़ा गया। रेलवे ने इनसे जुमार्ने के रूप में 3,79,942 रुपये की वसूली की।

अभियान के दौरान बिना टिकट यात्रा करने वाले, उचित प्राधिकार के बिना सफर करने वाले तथा बिना बुक कराए सामान लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। टिकट जांच टीमों ने विभिन्न रेलवे स्टेशनों के साथ-साथ मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में भी सघन जांच अभियान चलाया।

रेलवे अधिकारियों ने पकड़े गए यात्रियों को भविष्य में उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने की हिदायत दी। अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटरों पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई।

रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे वैध टिकट के साथ ही रेल यात्रा करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा और जुमार्ने की कार्रवाई से बच सकें।

खतरनाक छठ घाटों पर होगी बैरिकेडिंग, गोताखोरों और मेडिकल टीमों की तैनाती

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। उपायुक्त सह जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार के अध्यक्ष आदित्य रंजन ने सभी संबंधित अधिकारियों और छठ पूजा समितियों को सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।



डीसी ने धनबाद नगर निगम, चिरकुंडा नगर परिषद, जिला पर्यटन पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी तथा सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों और अंचल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में खतरनाक घाटों एवं संवेदनशील जलाशयों की पहचान करने का निर्देश दिया है। ऐसे स्थानों पर मजबूत बैरिकेडिंग लगाने और सुरक्षा संबंधी सकेतक लगाने के साथ पर्याप्त संख्या में स्वयंसेवकों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया है।

सभी छठ घाटों और जलाशयों की साफ-सफाई कराने तथा प्रत्येक घाट पर सामान्य प्रवेश और निकास मार्ग के अलावा आपातकालीन वैकल्पिक रास्ता चिह्नित करने का निर्देश दिया गया है। सुरक्षा को देखते हुए नदी घाटों और जलाशयों के आसपास पटाखों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।

प्रमुख घाटों और नदियों में मत्स्य मित्रों के साथ प्रशिक्षित गोताखोरों की तैनाती की जाएगी। वहीं, सिविल सर्जन को जरूरत पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए घाटों पर एंबुलेंस और मेडिकल टीमों की व्यवस्था करने को कहा गया है। इसके अलावा झारखंड बिजली वितरण निगम के महाप्रबंधक को सभी छठ घाटों और वहां तक पहुंचने वाले रास्तों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व में जिला स्तर पर 24 घंटे संचालित नियंत्रण कक्ष भी बनाया जाएगा।

वरीय पुलिस अधीक्षक को यातायात व्यवस्था सुचारू रखने, भीड़ नियंत्रण करने और अधिक भीड़ वाले घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने का निर्देश दिया गया है। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों और छठ पूजा समितियों को निदेर्शों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने को कहा है, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में महापर्व मना सकें।

नगर आयुक्त ने धनबाद छठ घाटों का किया निरीक्षण, सफाई और सुविधाएं दुरुस्त करने के निर्देश



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःलोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियों को लेकर गुरुवार को नगर आयुक्त आशीष गंगवार ने धनबाद के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने सूर्य मंदिर छठ घाट और खाताबादी तालाब स्थित छठ घाटों का जायजा लेकर तैयारियों की समीक्षा की निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को घाटों की साफ-सफाई, छठ व्रतियों की सुविधा और सुरक्षा से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व को देखते हुए शहर के नदी और तालाबों की सफाई युद्धस्तर पर कराई जा रही है। पूजा से पहले सभी घाटों की सफाई का काम पूरा कर लिया जाएगा।उन्होंने बताया कि नदी और तालाबों के साथ-साथ गली-मोहल्लों तथा प्रमुख सड़कों की सफाई भी कराई जा रही है। इस कार्य में नगर निगम के अधिकारियों और सफाई कर्मचारियों को लगाया गया है, ताकि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। निरीक्षण के दौरान सहायक नगर आयुक्त प्रकाश कुमार, नगर प्रशासक रोहित राहुल समेत नगर निगम के सुपरवाइजर और सफाईकर्मी मौजूद थे। मौके पर श्रीश्री सूर्य मंदिर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष विजय गुप्ता, पिंटू शर्मा, भरत शर्मा और विमल तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

महीनों से जलसंकट झेल रहे डीएम कॉलोनी के लोगों ने बीसीसीएल गेट पर दिया धरना



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद।धनबाद प्रखंड के बरडूभी पंचायत स्थित डीएम कॉलोनी में महीनों से जारी पेयजल संकट के खिलाफ गुरुवार को स्थानीय लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। पानी की समस्या से परेशान महिला, पुरुष और बच्चों ने बीसीसीएल के मुख्य द्वार पर धरना देकर जल्द समाधान की मांग की।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि कॉलोनी में लंबे समय से पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। इस संबंध में कई बार बीसीसीएल के महाप्रबंधक से शिकायत की गई, लेकिन कोई ठोस पहल नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने 11 नवंबर को भी लिखित रूप से समस्या की जानकारी अधिकारियों को दी थी। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर उन्हें धरना देने के लिए मजबूर होना पड़ा।

धरने की जानकारी मुखिया संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने धनबाद सांसद ढुलू महतो को दी। सांसद ने तत्काल मुनीडीह बीसीसीएल के अधिकारियों से फोन पर बातचीत कर समस्या के समाधान की पहल करने को कहा।

इस पर अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि 13 नवंबर को बीसीसीएल की टीम डीएम कॉलोनी पहुंचकर जलसंकट का जायजा लेगी और आवश्यक कार्रवाई करेगी। अधिकारियों के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारियों ने धरना समाप्त कर दिया और अपने घर लौट गए।

जरेडा की विकास योजनाएं तय समय-सीमा में पूरी करें अधिकारी: डीसी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार (जरेडा) के तहत संचालित विकास एवं पुनर्वास योजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। गुरुवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया गया। डीसी ने अधिकारियों और कार्यकारी एजेंसियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर काम पूरा करने का निर्देश दिया।



बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज सहित जरेडा के वरीय अधिकारी, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी और कार्यकारी एजेंसियों के प्रतिनिधि मौजूद थे। इस दौरान संशोधित झरिया मास्टर प्लान के तहत पुनर्वास और विकास से जुड़ी योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई।

बेलगड़िया में अप्रोच रोड, बाउंड्री वॉल, सिविल वर्क, विद्युत एवं यांत्रिक कार्यों तथा पावर इंफ्रास्ट्रक्चर की प्रगति की जानकारी ली गई। इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी केंद्र, पेयजल आपूर्ति, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, सुरक्षा व्यवस्था और कौशल विकास कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई।

बैठक में प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं शिफ्टिंग, भूमि से जुड़े विवादों, नजारत में लंबित मामलों, निविदा प्रक्रिया और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की समीक्षा से संबंधित मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

उपायुक्त आदित्य रंजन ने सभी संबंधित विभागों, वेंडरों और कार्यकारी एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनहित से जुड़ी योजनाओं में किसी भी तरह की लापरवाही या अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी परियोजनाओं को निर्धारित डेडलाइन के भीतर बेहतर गुणवत्ता के साथ पूरा करना सुनिश्चित किया जाए।

यात्रियों की भीड़ को देखते हुए धनबाद रेल मंडल ने चलाई अतिरिक्त स्पेशल ट्रेन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। ट्रेनों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए धनबाद रेल मंडल ने अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनों का परिचालन कर यात्रियों को राहत पहुंचाई। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए विशेष व्यवस्था की। इस दौरान रेलवे कर्मचारियों और आरपीएफ की सक्रियता से यात्रियों को वैकल्पिक ट्रेनों की जानकारी देकर उनकी यात्रा आसान बनाई गई।



रेलवे के अनुसार, 11 नवंबर की रात 20:50 बजे धनबाद से रक्सौल स्पेशल ट्रेन करीब 1200 यात्रियों को लेकर रवाना हुई। इसके बाद रात 21:35 बजे मौर्य एक्सप्रेस धनबाद स्टेशन पहुंची। ट्रेन के 22:00 बजे रवाना होने के दौरान करीब 600 यात्री स्टेशन पर सवार होने की प्रतीक्षा कर रहे थे। हालांकि, संबलपुर और रांची के रास्ते आने के कारण मौर्य एक्सप्रेस पहले से ही यात्रियों से भरी हुई थी। इस वजह से लगभग 350 यात्री ही इसमें सवार हो सके।

शेष यात्रियों की सुविधा को देखते हुए वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों और रेलवे सुरक्षा बल ने मोर्चा संभाला। कर्मचारियों ने स्लीपर कोचों में जाकर यात्रियों से धैर्य बनाए रखने और जल्दबाजी में ट्रेन में चढ़ने से बचने की अपील की। स्टेशन पर लगातार उद्घोषणा कर बरौनी के रास्ते जाने वाली वैकल्पिक स्पेशल ट्रेनों की जानकारी भी दी गई।

इसी क्रम में पोत्तनूर-दरभंगा स्पेशल ट्रेन संख्या 06189 रात 22:17 बजे धनबाद पहुंची। इस ट्रेन में अपेक्षाकृत कम भीड़ थी। मौर्य एक्सप्रेस में जगह नहीं मिलने वाले शेष यात्रियों ने इस ट्रेन में सवार होकर अपनी यात्रा जारी रखी। रेलवे प्रशासन के अनुसार, कर्मचारियों और आरपीएफ के समन्वित प्रयास से भीड़ का व्यवस्थित प्रबंधन किया गया।

रेलवे ने यह भी बताया कि 12 नवंबर को यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए धनबाद-पटना अनारक्षित स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया गया। रेल मंडल ने यात्रियों से अपील की है कि वे उपलब्ध स्पेशल और वैकल्पिक ट्रेनों का लाभ उठाएं। बिना उचित टिकट आरक्षित कोचों में यात्रा न करें तथा ट्रेन में चढ़ते समय धैर्य बनाए रखें। रेलवे प्रशासन ने कहा है कि यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

डांस प्रतियोगिता में निरसा का जीरो क्रू ग्रुप बना विजेता



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बाघमारा। श्रीश्री वैष्णवी काली पूजा समिति की ओर से बुधवार देर रात भव्य डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बाघमारा थाना प्रभारी अजीत कुमार ने किया। सुबह तक चले इस कार्यक्रम में बिहार और नेपाल समेत विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे प्रतिभागियों ने शानदार नृत्य प्रस्तुतियों से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।

कड़े मुकाबले में निरसा के जीरो क्रू डांस ग्रुप ने अपनी बेहतरीन प्रस्तुति के दम पर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, नेपाल के सनी साहनी दूसरे और सीवो ब्रेक्ज क्रू हरिना ग्रुप तीसरे स्थान पर रहा।

समिति की ओर से शीर्ष पांच स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को नकद पुरस्कार, ट्रॉफी और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में मोमेंटो प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का संचालन समिति के सचिव दीपक प्रसाद और केवी डांस क्लासेस के संचालक चंदू वर्मा ने किया। प्रतियोगिता में राज रैक्स (कतरीस), सुनील कुमार सिंह (बाघमारा) और नारायण गोविंद ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

मौके पर प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि बैजनाथ प्रसाद, सुभाष साव, डॉ. मनोज कुमार सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

गेट्स फाउंडेशन से आईआईटी धनबाद को 1.38 करोड़ का रिसर्च ग्रांट

धनबाद। अंतरराष्ट्रीय शोध के क्षेत्र में आईआईटी (आईएसएम) धनबाद ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अमेरिका के सिएटल स्थित गेट्स फाउंडेशन ने संस्थान को 1.38 करोड़ रुपये का रिसर्च ग्रांट प्रदान किया है। इस राशि से क्लेब्सिएला न्यूमोनिया बैक्टीरिया के खिलाफ नई एंटीबायोटिक दवाओं की खोज के लिए आधुनिक प्रेडिक्टिव टूल्स विकसित किए जाएंगे। यह बैक्टीरिया गंभीर संक्रमण और एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता के कारण स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है।

इस परियोजना का नाम 'प्रेडिक्टिव टूल्स फॉर एंटीबायोटिक डिस्कवरी इन क्लेब्सिएला न्यूमोनिया' रखा गया है। इसके लिए आईआईटी (आईएसएम) के केमिस्ट्री एंड केमिकल बायोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नीलाद्रि पात्रा को अनुदान स्वीकृत किया गया है। इस संबंध में ग्रांट एग्रीमेंट पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं। परियोजना के लिए 1,44,242 अमेरिकी डॉलर यानी 1,38,77,326 रुपये की राशि मंजूर हुई है। इसकी अवधि 30 सितंबर 2028 तक निर्धारित की गई है।



शोध के तहत ऐसे कंप्यूटेशनल और प्रेडिक्टिव टूल्स तैयार किए जाएंगे, जिनसे क्लेब्सिएला न्यूमोनिया के खिलाफ प्रभावी एंटीबायोटिक कंपाउंड की पहचान और खोज की प्रक्रिया को तेज किया जा सकेगा। यह बैक्टीरिया कई मौजूदा एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेता है, जिससे संक्रमित मरीजों का इलाज मुश्किल हो जाता है।

प्रो. नीलाद्रि पात्रा ने कहा कि इस शोध का मुख्य उद्देश्य कंप्यूटेशनल तकनीक और पूर्वानुमान आधारित तरीकों का उपयोग कर एंटीबायोटिक खोज की प्रक्रिया को गति देना है। इससे एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस की बढ़ती समस्या से निपटने में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है।

प्रो. पात्रा ने वर्ष 2013 में यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉय शिकागो से केमिस्ट्री में पीएचडी और 2008 में आईआईटी दिल्ली से एमएससी की डिग्री प्राप्त की। दिसंबर 2017 में आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त होने से पहले वे ब्रुकहेवन नेशनल लेबोरेटरी और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में पोस्टडॉक्टोरल एसोसिएट के रूप में कार्य कर चुके हैं।

उनके शोध के प्रमुख क्षेत्रों में प्रोटीन-प्रोटीन एवं प्रोटीन-लिगैंड इंटरेक्शन, मॉलिक्यूलर डायनेमिक्स, कंप्यूटेशनल मॉडलिंग और एंजाइम कैटालिसिस शामिल हैं। गेट्स फाउंडेशन से मिला यह अनुदान न केवल आईआईटी धनबाद के अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग को मजबूती देगा, बल्कि एंटीबायोटिक प्रतिरोध जैसी गंभीर वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती के समाधान की दिशा में भी नई संभावनाएं खोलेगा।

13-11-2026 T.P. Page 4_Layout 1 13-11-2026 07:06 Page 1

संक्षिप्त खबरें

एसआईआर पर भ्रम फैलाना बंद करे कांग्रेस : अमर बाउरी

भाजपा प्रदेश महामंत्री ने चौपालों पर उठाए सवाल, पात्र मतदाताओं के नाम छूटने पर चुनाव आयोग में प्रमाण सहित आपत्ति दर्ज कराने की दी सलाह



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस की ओर से आयोजित की जा रही चौपालों पर निशाना साधा है। उन्होंने कांग्रेस से जनता के बीच भ्रम फैलाने के बजाय ठोस तथ्यों और प्रमाणों के साथ अपनी बात रखने की अपील की।

अमर बाउरी ने कहा कि यदि किसी पात्र भारतीय मतदाता का नाम मतदाता सूची से छूट गया है, तो कांग्रेस को संबंधित प्रमाणों के साथ चुनाव आयोग के समक्ष आपत्ति दर्ज करानी चाहिए। चौपालों के माध्यम से लोगों को भ्रमित करना किसी भी राजनीतिक दल के लिए उचित नहीं है।

उन्होंने कहा कि एसआईआर कोई नई व्यवस्था नहीं है। कांग्रेस के शासनकाल में 10 बार और भाजपा के कार्यकाल में दो बार यह प्रक्रिया अपनाई जा चुकी है। इसका मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी और अद्यतन बनाना है। ऐसे में कांग्रेस द्वारा इस संवैधानिक प्रक्रिया पर सवाल उठाना उसकी दोहरी राजनीति को उजागर करता है।

भाजपा नेता ने कहा कि लोकतंत्र में हर राजनीतिक दल को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन संवैधानिक प्रक्रियाओं को लेकर बेबुनियाद आरोप लगाना और जनता के बीच भ्रम पैदा करना उचित नहीं है। कांग्रेस को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए कि वह वास्तव में पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करना चाहती है या घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में बनाए रखने की राजनीति कर रही है।

डायन बताकर बुजुर्ग दंपती की हत्या के मामले में तीन दोषियों की उम्रकैद बरकरार



झारखंड हाईकोर्ट ने खारिज की दोषियों की अपील, 2016 में घर में घुसकर बुजुर्ग दंपती को जिंदा जलाकर मार डाला गया था

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । झारखंड हाईकोर्ट ने सिमडेगा जिले के बानो थाना क्षेत्र में डायन-बिसाही का आरोप लगाकर बुजुर्ग दंपती की निर्मम हत्या करने के मामले में तीन दोषियों को मिली आजीवन कारावास की सजा बरकरार रखी है। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने दोषियों की अपीलों को खारिज करते हुए निचली अदालत के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

यह जघन्य घटना 13 दिसंबर 2016 को बानो थाना क्षेत्र के टेम्ब्रो गांव में हुई थी। मामले के सूचक भोला सिंह के अनुसार, शाम करीब पांच बजे आरोपी उनके घर पहुंचे और उनके भाई बुतरू सिंह तथा उनकी पत्नी बिमला देवी को जान से मारने की धमकी देकर चले गए। करीब दो घंटे बाद वे दोबारा लौटे। उस समय एक आरोपी शंकर सिंह के हाथ में टंगी (कुल्हाड़ी जैसा हथियार) थी।

आरोपियों को देखकर बुतरू सिंह और बिमला देवी अपने बच्चों के साथ घर के पिछले दरवाजे से भाग निकले। इसके बाद आरोपी घर में घुस गए और दोनों को उनके हवाले करने की मांग करने लगे। उन्होंने धमकी दी कि ऐसा नहीं करने पर पूरे घर में आग लगा दी जाएगी। आरोपियों का आरोप था कि दंपती डायन-बिसाही करते हैं, जिसके कारण उनका परिवार बीमार पड़ गया है।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक, आरोपियों ने सूचक भोला सिंह, उनकी पत्नी और बेटे को एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद उनके पिता लोहरा सिंह और मां चोरठी देवी को बाहर निकालकर बेरहमी से पीटा और घर में आग लगा दी। आग में झुलसकर दोनों बुजुर्गों की मौत हो गई। आरोपियों ने ग्रामीणों को भी उन्हें बचाने से रोकने के लिए धमकाया। इतना ही नहीं, खलिहान में रखी कटी हुई फसल को भी आग के हवाले कर दिया।

निचली अदालत ने सुनाई थी उम्रकैद

इस मामले में बानो थाना कांड संख्या 68/2016 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। सिमडेगा के अपर सत्र न्यायाधीश-प्रथम ने 23 मई 2018 को विजय सिंह, शंकर सिंह उर्फ बुधू और शंकर सिंह को दोषी करार दिया था। अदालत ने हत्या, आगजनी, गृह-अतिचार, साक्ष्य मिटाने, धमकी देने और डायन प्रथा निवारण अधिनियम के तहत उन्हें सजा सुनाई थी।

हत्या के आरोप में प्रत्येक दोषी को आजीवन कारावास और 25 हजार रुपये जुमार्ना, जबकि आगजनी के मामले में 10 वर्ष का सश्रम कारावास और पांच हजार रुपये जुमार्ना लगाया गया था। इसके अलावा गृह-अतिचार के लिए पांच वर्ष, साक्ष्य मिटाने और धमकी देने के मामलों में भी पांच-पांच वर्ष की सजा सुनाई गई थी। डायन प्रथा निवारण अधिनियम के तहत भी तीन और छह महीने के कारावास की सजा दी गई थी। प्रत्येक दोषी को पीड़ित पक्ष को 50 हजार रुपये मुआवजा देने का निर्देश भी दिया गया था। सभी सजाएं साथ-साथ चलनी थीं।

जैक मैट्रिक-इंटर परीक्षा 2027 के लिए आज से शुरू होगा फॉर्म भरने का काम



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की ओर से मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा 2027 में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया आज से शुरू हो रही है। परीक्षार्थी जैक की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकेंगे।

जैक की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, विद्यार्थी बिना विलंब शुल्क के 26 नवंबर तक परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। इसके बाद 27 नवंबर से चार दिसंबर तक विलंब शुल्क के साथ आवेदन जमा करने का अवसर मिलेगा। निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी संबंधित विद्यार्थियों को परीक्षा फॉर्म भरना अनिवार्य होगा।

परीक्षा शुल्क, आवेदन प्रक्रिया और अन्य आवश्यक दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी जैक की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे आवेदन के दौरान सभी जरूरी जानकारियां सावधानीपूर्वक भरें और अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते फॉर्म जमा कर दें, ताकि बाद में किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

मैथन डैम की गाद बिक्री पर खान विभाग ने लगाई रोक, डीवीसी से मांगा जवाब

कानूनी अधिकार और रॉयल्टी को लेकर उठे सवाल, मंजूरी मिलने तक ई-ऑक्शन और बिक्री प्रक्रिया रहेगी स्थगित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । मैथन डैम से निकाली जा रही गाद की व्यावसायिक बिक्री को लेकर झारखंड सरकार के खान एवं भूतत्व विभाग और दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई है। खान विभाग ने डीवीसी की ओर से जारी ई-ऑक्शन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए फिलहाल इसे आगे बढ़ाने पर रोक लगा दी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि कानूनी अधिकार, वैधानिक मंजूरी और राज्य सरकार के राजस्व से जुड़े पहलुओं की स्थिति स्पष्ट होने तक नीलामी को अंतिम रूप नहीं दिया जा सकता।

खान निदेशक राहुल कुमार सिन्हा ने 10 नवंबर को डीवीसी के कार्यकारी निदेशक (मैथन, धनबाद) को पत्र भेजकर पूरी प्रक्रिया पर विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है। विभाग ने ई-ऑक्शन के तहत सेल ऑर्डर जारी करने और सामग्री के व्यावसायिक निपटान की प्रक्रिया भी तत्काल स्थगित रखने का निर्देश दिया है।

दरअसल, डीवीसी ने 23 अक्टूबर 2026 को मैथन जलाशय से ड्रेजिंग एवं डिसिल्टिंग के माध्यम से गाद निकालने के लिए ई-ऑक्शन कैटलॉग जारी किया था। इसमें रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल के तहत निकाली जाने वाली सामग्री की व्यावसायिक बिक्री का प्रावधान किया गया है। खान विभाग का मानना है कि जलाशय की जल संग्रहण क्षमता बनाए रखने के लिए गाद निकालना जरूरी है, लेकिन इस प्रक्रिया में निकली सामग्री का व्यावसायिक इस्तेमाल और बिक्री अलग विषय है। इसके लिए संबंधित खनन कानूनों और सरकारी नियमों का अनुपालन अनिवार्य है।

विभाग ने डीवीसी के अधिकार क्षेत्र पर भी सवाल खड़ा किया है। उसका कहना है कि जलाशय के संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी मिलने का अर्थ यह नहीं है कि निगम को वहां से निकलने वाली



खनिजयुक्त सामग्री के व्यावसायिक दोहन और बिक्री का स्वतः अधिकार मिल जाता है। इस संबंध में डीवीसी से दामोदर घाटी निगम अधिनियम, 1948, खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 तथा झारखंड लघु खनिज रियायत नियमों के तहत अपना कानूनी पक्ष स्पष्ट करने को कहा गया है।

रॉयल्टी और सरकारी राजस्व का भी मामला

खान विभाग ने गाद की प्रकृति को लेकर भी जानकारी मांगी है। विभाग जानना चाहता है कि मैथन जलाशय से निकाली जाने वाली सामग्री में बालू अथवा अन्य लघु खनिज शामिल हैं या नहीं। यदि इसमें लघु खनिज की मौजूदगी है, तो उसकी बिक्री पर झारखंड सरकार को रॉयल्टी और अन्य वैधानिक शुल्क किस व्यवस्था के तहत प्राप्त होंगे। विभाग ने राजस्व संग्रहण की पूरी प्रक्रिया का विवरण भी मांगा है।

तकनीकी और पर्यावरणीय मंजूरी का ब्योरा तलब

डीवीसी को भेजे गए पत्र में खान विभाग ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। इनमें गाद निकासी की तकनीकी रिपोर्ट, निकाली जाने वाली सामग्री की प्रकृति एवं अनुमानित मात्रा, संबंधित कानूनी प्रावधान, वैधानिक अनुमति, पर्यावरणीय स्वीकृति और झारखंड सरकार सहित अन्य सक्षम प्राधिकारियों से प्राप्त मंजूरियों की प्रतियां शामिल हैं।

विभाग ने साफ किया है कि सभी कानूनी और नियामकीय पहलुओं का समाधान होने तथा आवश्यक अनुमतियां प्राप्त होने तक ई-ऑक्शन को अंतिम रूप नहीं दिया जाए। साथ ही किसी भी प्रकार का सेल ऑर्डर जारी करने और सामग्री की व्यावसायिक बिक्री की प्रक्रिया भी स्थगित रखी जाए। अब डीवीसी के जवाब के बाद ही मैथन डैम की गाद की बिक्री को लेकर आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

शादी का झांसा देकर चार साल तक बनाए संबंध, युवती ने युवक पर दर्ज कराई प्राथमिकी

लिव-इन रिलेशनशिप में रहने के बाद शादी से मुकरने का आरोप, जातिसूचक गाली देने और केस वापस लेने की धमकी देने का भी दावा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । राजधानी रांची में शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने और बाद में विवाह से इनकार करने का मामला सामने आया है। चार वर्षों तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली एक युवती ने सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। युवती ने आरोपी पर जातिसूचक अपशब्द कहने और शादी से मुकरने का भी आरोप लगाया है। युवती के अनुसार, वह पिछले चार साल से आरोपी के साथ हरमू रोड स्थित एक किराये के मकान में रह रही थी। दोनों की मुलाकात एक शादी समारोह में हुई थी। इसके बाद पहले दोस्ती हुई और धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। युवती का आरोप है कि युवक ने शादी का भरोसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। लेकिन जब उसने शादी की बात उठाई तो युवक ने कथित तौर पर जातिसूचक गालियां देते हुए विवाह करने से इनकार कर दिया।



युवती ने बताया कि वह 29 अक्टूबर को सुखदेवनगर थाना प्राथमिकी दर्ज कराने पहुंची थी। वहां आवेदन लेने के बावजूद उसे रिसीविंग नहीं दी गई। इसके बाद उसने एससी-एसटी थाना में शिकायत दर्ज कराई। एससी-एसटी थाना और सुखदेवनगर थाना की संयुक्त पहल पर युवती का मेडिकल परीक्षण सदर अस्पताल में कराया गया।

कार्रवाई नहीं होने का लगाया आरोप

युवती का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और न ही मामले में कोई ठोस कार्रवाई दिखाई दे रही है। उसने आरोप लगाया कि आरोपी लगातार फोन कर केस वापस लेने की धमकी दे रहा है। हालांकि, मामले के अनुसंधानकर्ता केस आईओ ने उसे छठ पूजा के बाद आरोपी को गिरफ्तार करने की बात कही है।

परिजनों के नहीं होने से खुद करती है गुजारा

युवती ने बताया कि उसके माता-पिता या अन्य परिजन नहीं हैं। वह अपना भरण-पोषण करने के लिए शादी समारोहों में मेकअप का काम करती है। आरोपी की पहचान अमरदीप सिंह उर्फ सोनू सिंह के रूप में हुई है, जो ओरमांझी के इरबा उगुर्टू का निवासी बताया गया है।

मामले की जांच कर रहे सुखदेवनगर थाना के सब इंस्पेक्टर राहुल कुमार मेहता से पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। आरोपी से भी फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उसका मोबाइल बंद मिला।

अमूल दूध की कीमतों में 2 से 6 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ोतरी, आम लोगों पर महंगाई की मार



टोन्ड मिल्क से लेकर गोल्ड और भैंस के फुल क्रीम दूध तक महंगे, घरेलू बजट पर बढ़ेगा बोझ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची। महंगाई से परेशान आम लोगों को अब दूध की कीमतों में बढ़ोतरी का झटका लगा है। गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) ने अमूल के विभिन्न प्रकार के दूध की कीमतों में 2 से 6 रुपये प्रति लीटर तक वृद्धि कर दी है। नई दरें गुरुवार से लागू हो गई हैं। इस फैसले का सीधा असर रोजाना दूध खरीदने वाले परिवारों की जेब पर पड़ेगा।

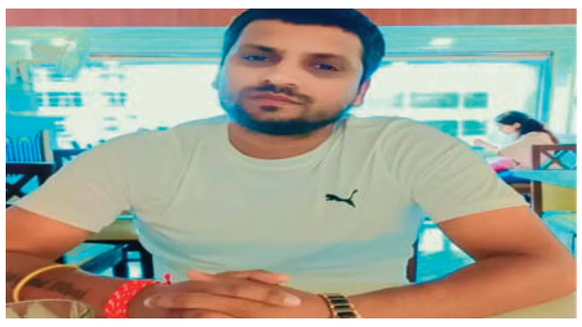
कंपनी की ओर से जारी नई कीमतों के अनुसार, अमूल ताजा टोन्ड मिल्क दो रुपये महंगा होकर 57 रुपये से बढ़कर 59 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं, अमूल शक्ति की कीमत 63 रुपये से बढ़ाकर 67 रुपये और अमूल गोल्ड की कीमत 70 रुपये से बढ़ाकर 74 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। भैंस के फुल क्रीम दूध की कीमत में सबसे अधिक छह रुपये की वृद्धि हुई है। अब इसके लिए ग्राहकों को 80 रुपये के बजाय 86 रुपये प्रति लीटर चुकाने होंगे।

दूध की कीमतों में इस बढ़ोतरी का असर परिवारों के मासिक बजट पर भी दिखाई देगा। यदि कोई परिवार रोजाना एक लीटर अमूल ताजा टोन्ड मिल्क खरीदता है, तो उसे महीने में करीब 60 रुपये अतिरिक्त खर्च करने होंगे। अमूल शक्ति और गोल्ड खरीदने वाले उपभोक्ताओं का मासिक खर्च लगभग 120 रुपये बढ़ जाएगा। वहीं, भैंस का फुल क्रीम दूध इस्तेमाल करने वाले परिवारों को हर महीने करीब 180 रुपये अधिक चुकाने पड़ेंगे।

दूध की कीमतों में वृद्धि के पीछे उत्पादन और प्रसंस्करण लागत में बढ़ोतरी को प्रमुख कारण बताया गया है। पिछले कुछ महीनों में हरे एवं सूखे चारे, पशु आहार, खली, मक्का, गुड़, पैकेजिंग सामग्री और ईंधन की कीमतों में इजाफा हुआ है। इसके अलावा दूध में मौजूद फैट की कीमतों में भी करीब 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि होने की बात कही गई है।

अमूल के मुताबिक, गुजरात समेत देश के कई हिस्सों में कम और अनियमित बारिश के कारण दूध उत्पादन तथा आपूर्ति प्रभावित हुई है। इससे किसानों से दूध खरीदने की लागत भी बढ़ गई है।

राहुल दुबे गैंग पर रांची पुलिस का शिकंजा, जेल में बंद अपराधियों से होगी पूछताछ



रंगदारी और फायरिंग की घटनाओं पर अंकुश लगाने की तैयारी, सरगना से लेकर हथियार सप्लायर और फंडिंग नेटवर्क तक की होगी जांच

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राजधानी में रंगदारी और गोलीबारी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए रांची पुलिस ने राहुल दुबे गैंग के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। गिरोह के कई सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस जेल में बंद आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की तैयारी में है। इसके लिए एसएसपी ने संबंधित थाना प्रभारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

निर्देश के मुताबिक, सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों से गिरफ्तार होकर जेल भेजे गए गैंग के अपराधियों को रिमांड पर लेने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। पुलिस का मुख्य उद्देश्य गिरोह की पूरी आपराधिक गतिविधियों और उसके नेटवर्क का खुलासा करना है। पूछताछ के दौरान गिरोह के सरगना, हथियारों की आपूर्ति करने वाले लोगों और अपराधियों को आर्थिक मदद पहुंचाने वालों के संबंध में जानकारी जुटाई जाएगी।

पुलिस अधिकारियों का मानना है कि आरोपियों से पूछताछ में गिरोह के फरार सदस्यों और उनके ठिकानों से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं। इन जानकारियों के आधार पर संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर फरार अपराधियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

इसके अलावा गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ मजबूत साक्ष्य जुटाने और मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया है। एसएसपी ने स्पीडी ट्रायल के माध्यम से दोषियों को जल्द सजा दिलाने की प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया है। पुलिस की इस रणनीति का उद्देश्य राहुल दुबे गैंग के आपराधिक नेटवर्क को पूरी तरह कमजोर करना और राजधानी में रंगदारी तथा फायरिंग की घटनाओं पर लगाम लगाना है।

रांची एयरपोर्ट पर मनाया गया अंतरराष्ट्रीय एटीएसईपी दिवस, तकनीकी विशेषज्ञों का हुआ सम्मान

सुरक्षित हवाई परिचालन में सीएनएस विभाग की भूमिका की सराहना, अधिकारियों के योगदान को बताया अहम



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय एयर ट्रैफिक सेफ्टी इलेक्ट्रॉनिक्स पर्सनल (एटीएसईपी) दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सुरक्षित विमान परिचालन और निर्बाध हवाई यातायात व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले संचार, नेविगेशन एवं निगरानी (सीएनएस) विभाग के तकनीकी अधिकारियों और कर्मचारियों के योगदान की सराहना की गई।

एयरपोर्ट निदेशक विनोद कुमार ने कहा कि एटीएसईपी अधिकारी हवाई यातायात प्रबंधन व्यवस्था की तकनीकी रीढ़ हैं। ये विशेषज्ञ संचार, नेविगेशन और निगरानी से जुड़े अत्याधुनिक उपकरणों के संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी संभालते हैं। इनके प्रयासों से पायलटों और एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के बीच लगातार संपर्क बना रहता है। साथ ही विमानों को सटीक दिशा-निर्देश और निगरानी उपलब्ध होती है, जिससे उड़ानों का सुरक्षित संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने बताया कि रांची एयरपोर्ट पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) का सीएनएस विभाग कई आधुनिक तकनीकी प्रणालियों का संचालन कर रहा है। इनमें वीएचएफ संचार उपकरण, इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस), डीवीओआर, डीएमई, एडीएस-बी और ऑटोमेशन सिस्टम प्रमुख हैं। इन उपकरणों की मदद से विमान परिचालन को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने में सहायता मिलती है। इस मौके पर एयरपोर्ट प्रबंधन ने पर्दे के पीछे रहकर अपनी तकनीकी दक्षता और समर्पण से हवाई यातायात को सुरक्षित बनाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यों की विशेष प्रशंसा की। कार्यक्रम में सीएनएस प्रभारी अविनाश सोरेंग सहित विभागाध्यक्ष और तकनीकी कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

गया के लाल मंगल महरौर को रणजी टीम के कप्तान बनने पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने किया सम्मानित



गया जी (एजेंसी) : बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने गया जी परिसदन में गया के प्रतिभाशाली क्रिकेटर मंगल महरौर को बिहार रणजी ट्रॉफी टीम का कप्तान बनने पर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मंगल महरौर ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और लगन के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। उनकी उपलब्धि से गया सहित पूरे बिहार का गौरव बढ़ा है। डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि गया की धरती प्रतिभाओं से भरी है। मंगल महरौर ने अपनी मेहनत से यह साबित किया है कि छोटे शहरों में भी राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतिभाएं मौजूद हैं। उनका कप्तान बनना जिले के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।उन्होंने मंगल महरौर को बधाई देते हुए कहा कि वे अपनी कप्तानी में बिहार की टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं और बेहतर प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन करें। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से खेल के प्रति समर्पण,अनुशासन और निरंतर मेहनत करने की अपील की।

फतेहपुर के छठ घाटों पर रहेगी प्रशासन की पैनी नजर, खतरनाक घाटों पर लगेगी बैरिकेडिंग



गहरे पानी वाले तालाबों और नदी घाटों पर सुरक्षा के होंगे विशेष इंतजाम

जमुहार तालाब में छठ पूजा पर रहेगी रोक

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : छठ महापर्व पर श्रद्धा और आस्था के बीच श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। घाटों पर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए इस बार सुरक्षा का विशेष घेरा तैयार किया जा रहा है। गहरे पानी वाले तालाबों, पोखरों और नदी घाटों पर बैरिकेडिंग कराई जाएगी, ताकि व्रती और श्रद्धालु सुरक्षित तरीके से भगवान भास्कर को अर्घ्य दे सकें। खतरनाक घाटों को चिह्नित कर वहां विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है। छठ घाटों पर तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों का निरीक्षण अभियान लगातार तीसरे दिन गुरुवार को भी जारी रहा। बीडीओ शशि भूषण साहू, सीओ अमिता सिन्हा, मुख्य पार्षद रवि कुमार



और थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने विभिन्न घाटों का जायजा लेकर साफ-सफाई, रोशनी, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं की समीक्षा की। अधिकारियों ने संबंधित कर्मियों को समय रहते सभी व्यवस्थाएं पूरी करने का निर्देश दिया। फतेहपुर और डुमरीचट्टी में स्थापित होने वाली चलायमान प्रतिमाओं के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। इसे देखते हुए दोनों स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती और भीड़ नियंत्रण की विशेष व्यवस्था रहेगी। बिजली विभाग को पर्व के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया है। वहीं, पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने के कारण जिला प्रशासन के निर्देश पर जमुहार तालाब में छठ पूजा पर रोक लगा दी गई है। श्रद्धालुओं को तालाब की ओर जाने से रोकने के लिए भी आवश्यक इंतजाम किए जाएंगे। इधर, नगर पंचायत के मुख्य पार्षद रवि कुमार ने अधिकारियों के साथ छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि सोहजना-दोनैया स्थित ढाढ़र नदी घाट पर सफाई के साथ अर्घ्य के लिए कुंड निर्माण, चेंजिंग रूम और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है।

बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए एकत्रित हुए चार बदमाश हथियार के साथ गिरफ्तार

अररिया (एजेंसी) : जिले की फारबिसगंज थाना पुलिस ने हवाई अड्डा के मैदान में बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए एकत्रित हुए चार बदमाशो को हथियार के साथ गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।गिरफ्तार बदमाश के पास से एक देशी कट्टा,चार कारतूस,एक चाकू,एक खोखा,दो बाइक,चार मोबाइल बरामद किया गया है।इस बात की जानकारी फारबिसगंज थाना में गुरुवार शाम एसडीपीओ राजकिशोर कुमार ने दी।

फारबिसगंज एसडीपीओ राजकिशोर कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि फारबिसगंज हवाई अड्डा के मैदान में पांच से छह को संख्या में बड़ी वारदात को अंजाम देने को लेकर बदमाश एकत्रित हुए हैं।सूचना पर एसपी जितेन्द्र कुमार के निर्देश पर उनके नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया।छापामारी दल ने हवाई अड्डा के मैदान में छापेमारी की तो बदमाश भागने लगे।जिसमें चार बदमाशो को खदेड़कर पकड़ा गया।जबकि दो मौके से फरार होने में कामयाब रहे।जिसकी जानकारी मिल गई है और फरार हुए बदमाशो की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम के द्वारा छापेमारी की जा रही है।पकड़े गए बदमाशो में नरपतगंज रेवाही वार्ड संख्या 5 के रहने वाले मो.मासूम पिता मजलूम,फारबिसगंज रामपुर बाईपास वार्ड संख्या 3 के मुकेश पाण्डेय पिता स्व.महादेव पाण्डेय, परवाहा वार्ड संख्या 5 के गौरव कुमार और भागकोहलिया के मो. जहीर पिता स्व.जालिम है।इनके पास से एक देशी कट्टा,चार कारतूस,एक चाकू,एक खोखा,दो बाइक,चार मोबाइल बरामद किया गया।एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशो में मुकेश पाण्डेय और मो.जहीर कुख्यात है और दोनों के खिलाफ संगीन मामलों के पुराने आपराधिक इतिहास हैं।

सदर एसडीपीओ राजकिशोर कुमार के नेतृत्व में छापेमारी दल में एस-ाआई विजय कुमार, अमित राज, संजीव कुमार, सिपाही सुरेश बैठा, शि-ावकुमार मोची,इंद्रभूषण कुमार, सदानंद प्रसाद सिंह शामिलथे।

रेल यात्रियों का सामान चुराने वाले महिला सहित चार गिरफ्तार

दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल, सोने के दो लॉकेट, दो मोबाइल और 5600 रुपये बरामद



गया जी: पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन पर यात्रियों की भीड़ का फायदा उठाकर सामान चोरी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। इनके पास से चोरी के सोने के दो लॉकेट, दो मोबाइल और 5600 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। बरामद सामान की अनुमानित कीमत करीब 1.05 लाख रुपये बताई गई है। सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह ने बताया कि ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत स्टेशन परिसर में गश्त कर रही थी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म संख्या एक-बी के दिल्ली छोर पर पेयजल नल के पास दो महिलाओं और दो पुरुषों को संदिग्ध अवस्था में देखा गया। पूछताछ और तलाशी के दौरान इनके पास से चोरी के सामान बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान नालंदा जिले के इस्लामपुर थाना क्षेत्र की लालती देवी (53) और कैली देवी (54), एकंगरसराय थाना क्षेत्र के राहुल कुमार (23) तथा खगड़िया जिले के महेशखूंट थाना क्षेत्र के कैलाश गुप्ता (55) के रूप में हुई है।

भीड़ देखकर बनाते थे यात्रियों को निशाना

पुलिस द्वारा पूछताछ में आरोपितों ने कथित तौर पर समूह बनाकर रेलवे यात्रियों की भीड़ में सामान चोरी करने की बात स्वीकार की। इनके पास से करीब 1.5 और तीन ग्राम के दो सोने के लॉकेट, विवो और ओप्पो के दो मोबाइल तथा 5600 रुपये नकद मिले। आरपीएफ ने चारों को गिरफ्तार कर आवश्यक कार्रवाई के बाद जीआरपी थाना गया को सुपुर्द कर दिया।

पंतनगर में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं बिरादरी भोज के साथ चित्रगुप्त पूजा धूमधाम से सम्पन्न



गया जी : वार्ड नंबर 46 के श्री चित्रगुप्त पूजा पंतनगर समिति के द्वारा धूमधाम से चित्रगुप्त पूजा का दो दिवसीय आयोजन किया गया। इस अवसर पर पहले दिन संध्या सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ चित्रांश समाज के बुजुर्गों एवं विशिष्ट लोगों को शॉल एवं मेमेंटो देकर अभाकाम के जिलाध्यक्ष मोहन श्रीवास्तव ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में चित्रांश समाज के बच्चों ने भी उत्कृष्ट नृत्य एवं गायन का प्रदर्शन किया। समिति के संयोजक दीपक कुमार वर्मा,अध्यक्ष धर्मेंद्र प्रसाद ने आकर्षक पुरस्कार देकर बच्चों का हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष श्री चाँद बाबू ने उपस्थित सभी चित्रांशों के बीच दावत राइस उपहार स्वरूप प्रदान किया। स्वारांजन संगीत विद्यालय के प्राचार्य इशांत सिन्हा ने अपनी संस्था की ओर से सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। समिति के सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि इस बार समाज के 2 अतिविशिष्ट सदस्य आरके सिन्हा (पूर्व सांसद), एवं डॉ विजय कुमार करण को भावपूर्ण श्रधांजलि दी गई। दूसरे दिन सुबह बिरादरी भोज का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में चित्रांशों ने भाग लिया। मौके पर डॉ. अमित कुमार एवं डॉ. एकता वर्मा ,वार्ड पार्षद प्रतिनिधि भगत सिंह एवं पूर्व वार्ड पार्षद प्रतिनिधि संतोष सिंह , डॉ. सुनील कु वर्मा, रंजीत सिन्हा, राजू उर्फ संजीव सिन्हा,अजय सिन्हा, संतोष सिन्हा, नंदकिशोर बाबू, बिरेंद्र बाबू ने भी पूजा को सफल बनाने में अहम योगदान दिया।

बच्चों के सुरक्षित बचपन के लिए पंचायतों को जिम्मेदारी, बाल श्रम और बाल विवाह पर लगेगी लगाम



बाल संरक्षण समितियों की नियमित बैठक कर बच्चों से जुड़े मामलों की निगरानी करने का निर्देश

फतेहपुर (गया जी): बच्चों का बचपन सुरक्षित रखने, बाल श्रम और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अब पंचायतों को अधिक जिम्मेदार बनाया जाएगा। इसके लिए पंचायत स्तर पर बाल संरक्षण समितियों को सक्रिय करने और पंचायतों को बाल हितैषी बनाने पर जोर दिया गया है। गुरुवार को टनकुप्पा प्रखंड सभागार में पंचायती राज पदाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित प्रखंड स्तरीय बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की त्रैमासिक बैठक में इस दिशा में ठोस पहल करने की रणनीति बनाई गई। बैठक के दौरान कवच परियोजना के सदस्यों ने पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समितियों की बैठकों में सामने आए बच्चों से संबंधित आंकड़े प्रस्तुत किए। इन आंकड़ों के आधार पर बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण और उनके अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि इसमें पंचायत प्रतिनिधियों और समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

पंचायती राज पदाधिकारी ने सभी मुखिया और पंचायत सचिवों को अपने-अपने पंचायतों में बाल संरक्षण समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने बच्चों से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेने और बाल हितैषी पंचायत बनाने के लिए सक्रिय पहल करने पर बल दिया। वहीं, 21 अक्टूबर से 21 दिसंबर तक चल रहे 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त जागरूकता अभियान को सफल बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों से गांव-गांव में जागरूकता फैलाने की अपील की गई।

बैठक में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी रामबाबू कुमार, चाइल्ड लाइन समन्वयक नीरज कुमार, कवच परियोजना के सेंटर डायरेक्टर दिनेश कुमार, बाल संरक्षण पुलिस पदाधिकारी, प्रमुख प्रतिनिधि महेंद्र दास सहित विभिन्न पंचायतों के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य और पंचायत सचिव उपस्थित थे।

पहिले-पहिल हम कइलीं छठी मईया... से गूंज रहा गया स्टेशन

छठ गीतों की गूंज से भक्तिमय के साथ गया जंक्शन का सदर एसडीओ ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

गया जी(एजेंसी) : लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर गया जंक्शन का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। परदेस से अपने घर की ओर लौट रहे श्रद्धालुओं के स्वागत में भारतीय रेलवे की ओर से स्टेशन परिसर में पारंपरिक छठ गीत बजाए जा रहे हैं। प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय और स्टेशन परिसर में लगे लाउडस्पीकरों से छठी मैया के गीतों की गूंज यात्रियों को अपनेपन का एहसास करा रही है।स्टेशन पर पहिले-पहिल हम कइलीं छठी मईया... जैसे लोकप्रिय छठ गीत बजने से यात्रियों में खास उत्साह देखने को मिल रहा है। रेलवे की इस पहल से घर लौट रहे लोगों का सफर और भी आनंदमय बन रहा है। छठ के अवसर पर गया जंक्शन



के साथ पटना जंक्शन सहित देश के प्रमुख स्टेशनों पर भी यात्रियों का स्वागत भक्तिमय गीतों से किया जा रहा है।

एसडीओ ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजाइधर मंगलवार को सदर एसडीओ अनिल कुमार रमन स्वयं गया जंक्शन पहुंचे। उन्होंने छठ पर्व को लेकर स्टेशन पर उमड़ रही यात्रियों की भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा और यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्टेशन परिसर की व्यवस्था का निरीक्षण किया। साथ ही टिकट सह रिजर्वेशन भवन के समीप यात्रियों को जागरूक करने के लिए बैनर और पोस्टर भी लगाए गए हैं।

छठ महापर्व पर रेलवे की इस सांस्कृतिक पहल से स्टेशन पर पहुंचते ही श्रद्धालुओं को घर और लोक आस्था के पर्व से जुड़ाव का एहसास हो रहा है। गया जंक्शन पर छठ गीत बजाए जाने को लेकर ग्रैंडकॉर्ड पैसेंजर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सह जेडआरयूसीसी के सदस्य डीके जैन,वरीय युवा सामाजिक कार्यकर्ता सत्येंद्र कुमार यादव, रेल यात्री संघ के नेता उदय श्रीवास्तव ने रेलवे को साधुवाद दिया। साथ ही कहा कि लोक आस्था का महान महापर्व छठ की गीत बजने से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है।

स्व. आरके सिन्हा के ब्रह्मभोज और श्रद्धांजली सभा में पहुंचे मंत्री, नेता और उद्योग जगत के दिग्गज

पटना, (एजेंसी) : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संस्थापक सदस्य, राज्यसभा सांसद और सफल व्यवसायी दिवंगत डॉ. रवीन्द्र किशोर सिन्हा के ब्रह्मभोज और श्रद्धांजलि सभा में गुरुवार को उनके पटना स्थित आवास पर कई दिग्गज नेता, मंत्री और व्यवसाय जगत के दिग्गज पहुंचे।पटना स्थित पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र स्थित अन्नपूर्णा भवन में उनका ब्रह्मभोज में मुरली मनोहर जोशी (पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता), गिरिराज सिंह (केंद्रीय मंत्री), चिराग पासवान (केंद्रीय मंत्री), रवि शंकर प्रसाद (भाजपा सांसद), बिहार सरकार में कृषि मंत्री विजय सिन्हा के अलावा बिहार सरकार के कई मंत्री, विधायक और विभिन्न दलों के वरिष्ठ नेता व सामाजिक लोग शामिल हुए।

75 वर्षीय डॉ. आरके सिन्हा का निधन बीते 30 अक्टूबर, 2026 को नोएडा स्थित उनके आवास पर हुआ था। पिछले कुछ समय से वे अस्वस्थ चल रहे थे। निधन के बाद उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए पटना लाया गया था। मुख्यमंत्री समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और बड़ी संख्या में आम लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि देकर अंतिम विदाई दी थी।डॉ सिन्हा भाजपा के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे। उन्होंने राज्यसभा सांसद के रूप में भी अपनी जिम्मेदारी निभाई। इसके साथ ही वे एसआईएस ग्रुप के संस्थापक और चेयरमैन के तौर पर कारोबारी जगत में भी पहचान रखते थे।

उनके निधन से बिहार के राजनीतिक और व्यावसायिक क्षेत्र में शोक का माहौल है।

नीतीश कुमार राजनीतिक चुनौतियों से पीछे हटने वाले नेता नहीं:मांझी

केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी का दावा- नीतीश कुमार भागने वालों में नहीं, करेंगे डटकर मुकाबला

गया जी (एजेंसी) : केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नीतीश कुमार भागने वाले नेता नहीं हैं बल्कि वे हर परिस्थिति में डटकर मुकाबला करने का साहस रखते हैं। मांझी के इस बयान को बिहार की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों के बीच काफी अहम माना जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने मीडिया से बातचीत के दौरान नीतीश कुमार के राजनीतिक व्यक्तित्व और उनके लंबे अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें कमजोर समझना सही नहीं होगा। नीतीश कुमार ने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे



हैं और हर चुनौती का सामना किया है। वे परिस्थितियों से घबराकर मैदान छोड़ने वालों में से नहीं हैं।मांझी ने अपने बयान के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की कि बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार का अनुभव और उनकी राजनीतिक क्षमता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार संघर्ष करने वाले नेता हैं। राजनीतिक चुनौतियां उनके लिए नई बात नहीं हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर में कई कठिन परिस्थितियों का सामना किया है।केंद्रीय मंत्री के इस बयान के बाद बिहार के राजनीतिक गलियारों में चचाएं तेज हो सकती हैं। खासकर ऐसे समय में जब राज्य की राजनीति में नेतृत्व, भविष्य की रणनीति और राजनीतिक समीकरणों को लेकर लगातार चर्चा हो रही है।मांझी के बयान को नीतीश कुमार के समर्थन में एक स्पष्ट राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने अपने शब्दों से यह साफ करने की कोशिश की कि नीतीश कुमार किसी भी राजनीतिक परिस्थिति में पीछे हटने वाले नहीं हैं बल्कि मजबूती से मुकाबला करने का माद्दा रखते हैं।

छठ घाट पर उमड़ेगी हजारों की भीड़, जर्जर सड़क बनेगी श्रद्धालुओं की राह में बाधा



फतेहपुर अंदर बाजार से सोहजना-दोनैया घाट तक जाने वाली पीसीसी सड़क जगह-जगह टूटी, आवागमन मुश्किल

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : लोक आस्था के महापर्व छठ पर ढाढ़र नदी घाट में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने वाली है, लेकिन घाट तक पहुंचने वाली सड़क की बदहाल स्थिति ने उनकी चिंता बढ़ा दी है। फतेहपुर अंदर बाजार से सोहजना-दोनैया स्थित ढाढ़र नदी छठ घाट तक जाने वाली पीसीसी सड़क जगह-जगह टूट चुकी है। सड़क पर बने गड्ढे आवागमन में बाधा बन रहे हैं। ऐसे में छठ के दौरान व्रतियों और श्रद्धालुओं को घाट तक पहुंचने में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। दोनैया-सोहजना के पास स्थित ढाढ़र नदी घाट पर फतेहपुर, इटवां, शीतलपुर, रामरायचक, सोहजना, गोहरा, दोनैया सहित आसपास के दर्जनों गांवों के करीब सात से आठ हजार छठव्रती और श्रद्धालु भगवान भास्कर को अर्घ्य देने पहुंचते हैं। पर्व के दौरान इस मार्ग पर पैदल चलने वालों के साथ दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही भी बढ़ जाती है। सड़क की जर्जर स्थिति के कारण सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को हो सकती है। खासकर शाम और सुबह अर्घ्य के समय अंधेरे में टूटे हिस्सों और गड्ढों के कारण गिरने तथा वाहन दुर्घटना की आशंका बनी रहेगा। एक ओर प्रशासन घाटों पर साफ-सफाई और अन्य सुविधाओं की तैयारी में जुटा है, वहीं दूसरी ओर घाट तक पहुंचने वाले रास्ते की बदहाली श्रद्धालुओं के लिए चुनौती बनी हुई है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से छठ महापर्व से पहले सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित और सुगम तरीके से घाट तक पहुंच सकें।

संपादकीय

सोनिया गांधी की किताब में छिपी है हर घर की कहानी

सोनिया गांधी की पुस्तक बिलॉन्गिंग : अ जर्नी ऑफ लवह्न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन का दस्तावेज नहीं है, बल्कि भारतीय परिवारों, रिश्तों, सामाजिक मूल्यों और राजनीतिक परिस्थितियों की भी एक महत्वपूर्ण कहानी है। इस पुस्तक में प्रेम, विश्वास, पारिवारिक संघर्ष, महत्वाकांक्षा, त्याग और जिम्मेदारियों के ऐसे अनुभव सामने आते हैं, जिनसे देश-दुनिया के करोड़ों लोग अपने जीवन को जोड़कर देख सकते हैं। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इटली में जन्मी और यूरोपीय परिवेश में पली-बढ़ी एक महिला ने भारतीय परिवार और राजनीति के भीतर अपने अनुभवों को जिस बेबाकी और संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया है, वह उल्लेखनीय है।

सोनिया गांधी ने अपने जीवन की शुरूआत एक सामान्य युवती के रूप में की थी। उनकी शिक्षा-दीक्षा यूरोप में हुई। उन्होंने अपने भविष्य को लेकर कुछ सपने देखे थे। प्रेम किया, विवाह किया और एक सामान्य पारिवारिक जीवन बिताने की कल्पना की। लेकिन जीवन हमेशा हमारी इच्छाओं और योजनाओं के अनुसार नहीं चलता। राजीव गांधी से विवाह के बाद वह नेहरू-गांधी परिवार का हिस्सा बनीं और धीरे-धीरे उनका जीवन भारतीय राजनीति तथा सार्वजनिक जीवन से जुड़ता चला गया। उन्होंने जिन परिस्थितियों की कभी कल्पना नहीं की थी, वही उनके जीवन की सबसे बड़ी चुनौतियां बन गईं।देवर संजय गांधी की असामयिक मृत्यु, सास इंदिरा गांधी की हत्या और फिर पति राजीव गांधी की दर्दनाक मौत ने उनके जीवन को पूरी तरह बदल दिया। इन घटनाओं ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से गहरे आघात दिए। जिस उम्र में कोई व्यक्ति अपने परिवार और बच्चों के साथ सामान्य जीवन जीने के सपने देखता है, उस उम्र में सोनिया गांधी को असाधारण परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। परिवार की जिम्मेदारी, बच्चों का भविष्य और सार्वजनिक जीवन से जुड़ी चुनौतियां उनके सामने थीं। उन्होंने समय और परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने का प्रयास किया। यही उनके व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण पक्ष है।संजय गांधी की मृत्यु के बाद गांधी परिवार के राजनीतिक और पारिवारिक समीकरणों में भी बदलाव आया। परिवार के भीतर नई परिस्थितियां पैदा हुईं। जेठानी, देवरानी, बच्चों, रिश्तेदारों और राजनीतिक सहयोगियों के साथ संबंधों को संभालना आसान नहीं था। किसी भी बड़े परिवार में व्यक्तिगत इच्छाओं, अधिकारों, संपत्ति, पद और प्रतिष्ठा को लेकर मतभेद पैदा हो सकते हैं।

भारतीय संस्कृति का सौर चेतना प्रवाह और छठ महाव्रत

भारतीय सनातन संस्कृति मूलतः प्रकृति, पुरुष और पराशक्ति के तादात्म्य की संस्कृति है, जिसमें सूर्य केवल एक खगोलीय पिण्ड नहीं, अपितु दृश्य जगत के प्रत्यक्ष देवता, जगत की आत्मा और समस्त ऊर्जा के आदि स्रोत हैं। श्रुति-स्मृति-पुराण-इतिहास की सुदीर्घ परंपरा में सूर्योपासना का केंद्रीय महत्त्व रहा है, जिसका सर्वोत्कृष्ट, विशुद्ध और लोक कल्याणकारी मूर्तरूप कार्तिक शुक्ल षष्ठी को मनाए जाने वाले छठ महाव्रत (सूर्य षष्ठी व्रत) में परिलक्षित होता है। ऋग्वेद के ऋषियों ने सूर्य को चराचर जगत की आत्मा के रूप में प्रतिष्ठापित किया था-

सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च।

-ऋग्वेद 1/115/1

सूर्य की यह सर्वव्यापकता और जीवनी शक्ति ही भारतीय आध्यात्मिक चेतना का मूलाधार है। यजुर्वेद और सामवेद के मंत्रों में सविता देव के रूप में सूर्य की स्तुति उनके उस रूप की है, जो बुद्धि को सन्मार्ग पर प्रेरित करता है।

पौराणिक आख्यानों में सूर्य का संबंध आदित्य रूप में कश्यप और अदिति की संतान के रूप में निरूपित है। मार्कण्डेय पुराण और भविष्य पुराण पूर्णतः सौर उपासना को समर्पित हैं। भविष्य पुराण के ब्राह्मपर्व में सूर्य को ही ब्रह्मा, विष्णु और महेश का सम्मिलित रूप माना गया है-

नमः सवित्रे जगदेकचक्षुषे जगत्प्रसूतिस्थितिनाशहेतवे।

त्रयीमयाय त्रिगुणात्मधारिणे विरिञ्चिनारायणशंकरात्मने।।

यह श्लोक प्रमाणित करता है कि सूयोर्पासना सनातन धर्म के त्रिगुण और त्रिदेव की अवधारणा को स्वयं में समाहित किए हुए है। छठ पर्व इसी सौर चेतना की लोक संस्कृति में समरस अभिव्यक्ति है, जहां शास्त्र का ज्ञान लोक की सरलता में विलीन हो जाता है।

छठ पूजा का अनुष्ठान केवल अंधश्रद्धा का विषय नहीं है, अपितु इसके सुदृढ़ ऐतिहासिक और ग्रंथपरक प्रमाण उपलब्ध हैं। महाभारत के वनपर्व में धौम्य ऋषि की सलाह पर द्रौपदी द्वारा सूर्य की आराधना करने का प्रसंग आता है, जिसके फलस्वरूप उन्हें अक्षय पात्र की प्राप्ति हुई थी। यह व्रत कार्तिक मास की षष्ठी तिथि को ही संपन्न हुआ था। दूसरी ओर, अंगराज कर्ण की सूयोर्पासना तो जगप्रसिद्ध है। आधुनिक भागलपुर और मुँगेर (प्राचीन अंग देश) के क्षेत्रों में कर्ण द्वारा गंगा में खड़े होकर घंटों सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा ही कालांतर में लोक मानस में छठ के रूप में सुदृढ़ हुई।

रामायण और लोक आख्यानों के अनुसार, लंका विजय और रावण वध के पश्चात ब्रह्महत्या के पाप से मुक्ति हेतु ऋषि मुद्गल के निर्देश पर प्रभु श्रीराम और आद्याशक्ति माता सीता ने कार्तिक शुक्ल षष्ठी को सूर्य देव की उपासना की थी। मुद्गल ऋषि के आश्रम में माता सीता ने सुवर्ण पात्रों से सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया था, जो आज भी इस व्रत की शुद्धता और सूप (दउरा) के प्रयोग का विहित प्रमाण माना जाता है।

इस महापर्व की अधिष्ठात्री देवी छठी मैया हैं, जिन्हें शास्त्रों में कात्यायनी या देवसेना कहा गया है। ब्रह्मवैवर्त पुराण के प्रकृति खंड में उल्लेख है कि सृष्टि की मूल प्रकृति के छठे अंश से प्रकट होने के कारण इनका नाम षष्ठी पड़ा। वे शिशुओं की रक्षिका और संतानदायिनी हैं। राजा प्रियव्रत और रानी मालिनी की मृत संतान को पुनर्जीवित करने वाली देवी षष्ठी ही थीं। लोक परंपरा ने इन षष्ठी देवी को सूर्य (भास्कर) की बहन या शक्ति के रूप में अंगीकार कर छठ मैया के रूप में पूजनीय बनाया। छठ महाव्रत की सबसे अनूठी और दार्शनिक विशेषता यह है कि इसमें केवल उगते हुए सूर्य की ही नहीं, अपितु डूबते हुए सूर्य की भी समान रूप से पूजा की जाती है। कार्तिक शुक्ल षष्ठी की संध्या को अस्तमान अर्घ्य और सप्तमी की भोर को उदीयमान अर्घ्य दिया जाता है। यह अनुष्ठान भारतीय दर्शन के चरम सत्य अद्वैत और शाश्वत चक्र को रेखांकित करता है। संसार प्रायः चढ़ते सूरज को प्रणाम करता है, किंतु सनातन संस्कृति ढलते हुए सूर्य की पूजा कर यह संदेश देती है कि अवसान ही पुनरागमन का बीज है। अतीत के अवसान के बिना भविष्य का उदय संभव नहीं है। जो आज अस्त हो रहा है, वही कल नव ऊर्जा के साथ उदित होगा। यह जीवन, मृत्यु और पुनर्जन्म के चक्र का प्राकृतिक दिग्दर्शन है। सुख (उदय) और दुःख (अस्त) दोनों ही परिस्थितियों में समभाव बने रहना ही वास्तविक योग है, जिसे गीता में समत्वं योग उच्यते कहा गया है।

छठ पर्व का वैज्ञानिक और यौगिक विश्लेषण इसके महत्व को और अधिक प्रगाढ़ बनाता है। कार्तिक मास में सूर्य की किरणें पृथ्वी पर एक विशेष कोण से पड़ती हैं, जो मानव शरीर के वात, पित्त और कफ के संतुलन के लिए अत्यंत अनुकूल होती हैं। 36 घंटों का कठिन निर्जला उपवास शरीर के आंतरिक अवयवों का शोधन करता है। इससे जठराग्नि शांत होती है और मानसिक सात्त्विकता बढ़ती है। नमन करते समय नदी या तालाब के जल में नाभि तक खड़े रहने से शरीर के चक्र विशेषकर मणिपुर और स्वाधिष्ठान चक्र जाग्रत होते हैं। उषा और प्रत्यूषा (सूर्योदय और सूर्यास्त) के समय सूर्य की पराबैंगनी किरणें न्यूनतम और जीवनदायिनी होती हैं। इस समय तांबे के पात्र से गिरने वाली जलधारा के मध्य से सूर्य को देखने पर आंखों की ज्योति बढ़ती है और त्वचा रोगों का नाश होता है। यह यौगिक क्रिया त्राटक और सौर विज्ञान का अद्भुत संमिश्रण है।समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से देखे जाने पर छठ पूजा संपूर्ण भारतवर्ष में, विशेष रूप से बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में सामाजिक समरसता और समाजवाद का सबसे ज्वलंत उदाहरण है। यह पर्व पुरोहितवाद, मंदिर की चारदीवारी और ऊंच-नीच के भेदभाव को समूल नष्ट कर देता है। छठ पूजा किसी मंदिर में नहीं, बल्कि प्रकृति के खुले प्रांगण- नदी, तालाब या पोखरे के तट पर होती है। यहां कोई वीआईपी गर्भगृह नहीं होता। राजा हो या रंक, सब एक ही घाट पर, एक जैसी मिट्टी के वेदी (सिरसोता) बनाकर अगल-बगल बैठते हैं। इस पर्व में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियां समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े लोगों के श्रम का प्रतिफल होती हैं। बांस का सूप और टोकरी (डोम या महली समाज द्वारा निर्मित), मिट्टी के दीये और कलश (कुम्हार द्वारा निर्मित), और कृषि उत्पाद जैसे ठेकुआ हेतु गेहूं, गन्ना, डाभ नींबू, सूथनी आदि। यह पर्व इस सत्य को उद्घाटित करता है कि प्रकृति की पूजा में किसी मध्यस्थ या पुरोहित की आवश्यकता नहीं है; यह भक्त और भगवान का सीधा संवाद है।

वर्तमान उपभोक्तावादी और पर्यावरण संकट से जूझते वैश्विक समाज के लिए छठ महाव्रत एक अचूक समाधान प्रस्तुत करता है। आज जब नदियां प्रदूषित हो रही हैं और कंक्रीट के जंगल खड़े हो रहे हैं, तब यह पर्व हमें विवश करता है कि हम अपने जलस्रोतों की सफाई करें, घाटों को स्वच्छ बनाएं और प्रकृति के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करें।

यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, वरन प्रकृति पुनर्जीवन का वार्षिक संकल्प है। स्वच्छता की जो कठोरता इस व्रत में बरती जाती है, वह आंतरिक और बाह्य शुचिता का अप्रतिम मापदंड है। छठ महाव्रत भारतीय सौर संस्कृति का वह दिव्य अर्घ्य है, जो आदि और अंत, लोक और शास्त्र, विज्ञान और अध्यात्म, तथा व्यक्ति और समाज को एक ही सूत्र में पिरोता है। यह पर्व उद्घोष करता है कि सूर्य ही दृश्यमान परब्रह्म हैं और उनकी आराधना ही जगत के कल्याण का मार्ग है। लोक गीतों की मधुर तानों- कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए, में छुपा दर्शन यह सिखाता है कि जीवन में विनम्रता और प्रकृति के प्रति समर्पण ही शाश्वत सत्य है। यह महाअनुष्ठान आदि काल से अविरल प्रवाहित हो रहा है और युगों-युगों तक मानवता को सात्त्विकता, समरसता और स्वास्थ्य का मार्ग दिखाता रहेगा।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

विचारकों को जो चीज आज स्पष्ट दीखती है दुनिया उस पर कल अमल करती है।

: विनोबा भावे

आत्मविश्वास सरीखा दूसरा कोई मित्र नहीं। यही हमारी उन्नति में सबसे बड़ा सहयक होता है।

: स्वामी विवेकानंद

मुंगेर की छठ परंपरा : सीताचरण, मुद्गल ऋषि और गंगा से शारदा सिन्हा के गीतों तक

बिहार में छठ केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति, लोकजीवन, कृषि संस्कृति और सामाजिक समरसता से जुड़ी ऐसी परंपरा है, जिसमें सूर्य और जल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। लेकिन बिहार के मुंगेर में छठ का महत्व एक विशिष्ट ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संदर्भ के कारण और बढ़ जाता है। यहां गंगा के बीच स्थित सीताचरण, महर्षि मुद्गल की परंपरा, उत्तरवाहिनी गंगा की धार्मिक मान्यता और लोकगायिका शारदा सिन्हा के गीतों में मुंगेर का उल्लेख इस पर्व को एक अलग पहचान प्रदान करते हैं। मुंगेर की छठ परंपरा को समझना दरअसल बिहार की लोकस्मृति, धार्मिक आख्यान और सांस्कृतिक विरासत को समझना भी है।मुंगेर की छठ परंपरा का सबसे विशिष्ट पक्ष गंगा के बीच स्थित सीताचरण मंदिर है। गंगा की धारा के बीच एक विशाल शिलाखंड पर बने चरणचिह्नों को स्थानीय श्रद्धालु माता सीता के चरणचिह्न मानते हैं। इस स्थान को सीताचरण अथवा मणिपाषाण के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, माता सीता ने यहां महर्षि मुद्गल के आश्रम में रहकर सूयोर्पासना की थी। उन्होंने अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ का व्रत किया था। इसी मान्यता के कारण सीताचरण का महत्व छठ के अवसर पर विशेष रूप से बढ़ जाता है।

इस परंपरा का एक महत्वपूर्ण धार्मिक संदर्भ आनंद रामायण में मिलता है। स्थानीय शोधकताओं और इस विषय पर उपलब्ध विवरणों के अनुसार, आनंद रामायण के सीता और मुद्गल प्रसंग में इस क्षेत्र से जुड़ी मान्यता का उल्लेख किया जाता है। कथा के अनुसार, रावण वध के बाद भगवान राम और माता सीता महर्षि मुद्गल के आश्रम पहुंचे थे। महर्षि मुद्गल ने माता सीता को सूयोर्पासना करने का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने सूर्यदेव की आराधना की। इसी प्रसंग को मुंगेर की छठ परंपरा से जोड़ा जाता है। आनंद रामायण का प्रसंग धार्मिक आख्यान का स्रोत है, आधुनिक इतिहास की तरह किसी घटना की स्वतंत्र तिथि और पुरातात्विक पुष्टि नहीं।मुंगेर में छठ की एक विशिष्ट स्थानीय परंपरा विद्यमान है, जिसे माता सीता और महर्षि मुद्गल की कथा से जोड़ा जाता है।

इस संदर्भ में 1926 में प्रकाशित मुंगेर जिला गजेटियर महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें गंगा के बीच स्थित उस शिलाखंड और चरणचिह्नों का उल्लेख मिलता है, जिन्हें स्थानीय परंपरा में माता सीता के चरण माना जाता रहा है। गजेटियर का महत्व इस बात में है कि वह इस धार्मिक-सांस्कृतिक मान्यता के पुराने अस्तित्व का दस्तावेजी संदर्भ उपलब्ध कराता है। इससे स्पष्ट होता है कि सीताचरण की परंपरा हाल के वर्षों में विकसित हुई कोई नई जनश्रुति नहीं है। हालांकि, गजेटियर में किसी धार्मिक मान्यता का उल्लेख उस कथा की ऐतिहासिक सत्यता का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता।

मुंगेर का संबंध महर्षि मुद्गल से जोड़ने वाली परंपरा यहां के नामकरण को लेकर भी महत्वपूर्ण है। स्थानीय मान्यता और पुराने विवरणों में इस क्षेत्र को मुद्गलपुर अथवा मुद्गलगिरि कहा गया है। समय के साथ नाम के परिवर्तित होकर मुंगेर बनने की व्याख्या भी प्रचलित है। स्थानीय ऐतिहासिक विवरणों में मुद्गल ऋषि से जुड़ी इस परंपरा का संदर्भ मिलता है। इससे मुंगेर की सांस्कृतिक पहचान में ऋषि परंपरा की उपस्थिति का पता चलता है। इस प्रकार छठ की स्थानीय कथा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं रहती, बल्कि क्षेत्र की प्राचीन सांस्कृतिक स्मृति से भी जुड़ जाती है।

मुंगेर की दूसरी बड़ी विशेषता उत्तरवाहिनी गंगा है। कष्टहरणी घाट के सामने गंगा की धारा उत्तर दिशा की ओर मुड़ती है। धार्मिक मान्यता में उत्तरवाहिनी गंगा को विशेष पवित्र माना जाता है। कष्टहरणी घाट का नाम भी अपने भीतर एक अर्थ समेटे हुए है। मान्यता है कि यहां स्नान करने से मनुष्य के कष्ट दूर होते हैं। इस घाट का धार्मिक महत्व रामायणकालीन लोकमान्यताओं और स्थानीय ऋषि परंपरा से भी जोड़ा जाता है। गंगा के इस स्वरूप ने मुंगेर को धार्मिक दृष्टि से विशिष्ट पहचान दी है।

कष्टहरणी घाट और सीताचरण का आपसी संबंध मुंगेर की छठ परंपरा को और विशिष्ट बनाता है। एक ओर गंगा का पवित्र तट है, दूसरी ओर नदी के बीच वह शिलाखंड है, जिसे माता सीता की सूयोर्पासना से जोड़ा जाता है। छठ के अवसर पर श्रद्धालु नावों से सीताचरण पहुंचते हैं और वहां सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं। गंगा की धारा, नावों की आवाजाही, व्रतियों के गीत और सूर्य को अर्पित किए जाने वाले अर्घ्य के बीच लोकआस्था का ऐसा वातावरण निर्मित होता है, जो मुंगेर की धार्मिक संस्कृति का विशिष्ट परिचय देता है।

मुंगेर में छठ का आयोजन केवल सीताचरण तक सीमित नहीं है। कष्टहरणी घाट, बबुआ घाट, सोझी घाट, जेल घाट और कंकड़ घाट सहित शहर के अनेक गंगा घाटों पर श्रद्धालु बड़ी संख्या में जुटते हैं। शहर के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी तालाबों, पोखरों और जलाशयों पर छठ मनाया जाता है। नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य के चार दिनों में पूरा समाज पर्व की तैयारी में जुट जाता है। परिवारों की पीढ़ियां एक साथ दिखाई देती हैं और व्रतियों के प्रति सहयोग तथा सम्मान का भाव सामाजिक जीवन को एक सूत्र में बांधता है।

मुंगेर की छठ परंपरा का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसका लोकसांगीतिक स्वरूप भी है। छठ के गीतों में मुंगेर का उल्लेख बिहार की लोकस्मृति में इस शहर की उपस्थिति को प्रमाणित करता है। बिहार कोकिला शारदा सिन्हा के गायन से लोकप्रिय हुए पारंपरिक छठ गीत ह्यमोरा भैया जाएला महंगा मुंगेरह्ण का विशेष महत्व है। इस गीत में मुंगेर का नाम किसी भौगोलिक परिचय की तरह नहीं, बल्कि लोकजीवन के सहज प्रसंग के रूप में आता है। गीत की लोकप्रियता ने मुंगेर को बिहार की छठ संगीत परंपरा में भी एक पहचान दी है।

इस गीत का एक दिलचस्प पक्ष यह है कि शारदा सिन्हा ने इसे अपनी गुरु पन्ना देवी से सीखा था। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि लोकगीत किसी एक कलाकार की रचना या प्रस्तुति तक सीमित नहीं होते। वे पीढ़ी-दर-पीढ़ी मौखिक परंपरा के माध्यम से आगे बढ़ते हैं। कलाकार उन्हें अपनी आवाज और शैली से व्यापक पहचान देते हैं, लेकिन उनके भीतर समाज की सामूहिक स्मृति और अनुभव सुरक्षित रहते हैं। शारदा सिन्हा ने छठ गीतों को जिस व्यापक लोकप्रियता और सम्मान तक पहुंचाया, उसमें ऐसे पारंपरिक गीतों की बड़ी भूमिका रही है।

ह्यमोरा भैया जाएला महंगा मुंगेरह्ण को मुंगेर की सांस्कृतिक पहचान के संदर्भ में देखना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि लोकगीतों में किसी स्थान का उल्लेख उसके सामाजिक और आर्थिक जीवन की झलक भी प्रस्तुत करता है। मुंगेर का नाम लोकगीत में आना बताता है कि यह शहर केवल धार्मिक आख्यानों और ऐतिहासिक स्थलों के कारण ही आसपास के जनजीवन में परिचित नहीं था, बल्कि बाजार, आवाजाही और पारिवारिक-सामाजिक संबंधों की लोकस्मृति में भी उसकी जगह थी। इस गीत के माध्यम से मुंगेर की पहचान गांव-गांव तक पहुंचती है। इस तरह सीताचरण जहां धार्मिक स्मृति का केंद्र है, वहीं शारदा सिन्हा का गीत मुंगेर की सांगीतिक स्मृति का महत्वपूर्ण माध्यम बन जाता है।

मुंगेर की छठ परंपरा का सामाजिक और आर्थिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। बांस के सूप और दउरा, मिट्टी के चूल्हे, आम की लकड़ी, मौसमी फल, गन्ना, नारियल और कृषि उपज इस पर्व को ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ते हैं। छठ में उपयोग होने वाली सामग्री केवल पूजा की वस्तुएं नहीं हैं; वे स्थानीय कारीगरों, किसानों, फल विक्रेताओं और छोटे व्यापारियों की आजीविका का भी आधार बनती हैं। पर्व की तैयारी में बाजार से लेकर गांव तक एक सक्रिय सामाजिक और आर्थिक तंत्र दिखाई देता है।

छठ की सबसे बड़ी विशेषता उसका सामाजिक समावेश है। इसमें जाति, वर्ग और आर्थिक स्थिति से ऊपर उठकर लोग एक-दूसरे की सहायता करते हैं। घाटों की सफाई, रास्तों की व्यवस्था, प्रकाश, सुरक्षा और व्रतियों के लिए सुविधाएं जुटाने में स्थानीय समुदाय की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

कुमार कृष्णन

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7691

मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

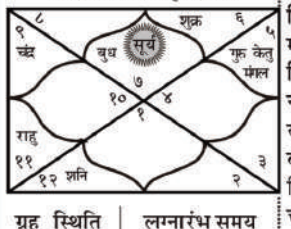
■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7690 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

दैनिक पंचांग

13 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	तुला में
चंद्र	धनु में
मंगल	सिंह में
बुध	तुला में
गुरु	सिंह में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृश्चिक	06.32 ब.से
धनु	08.48 बजे से
मकर	10.54 बजे से
कुंभ	12.40 बजे से
मीन	14.13 बजे से
मेष	15.43 बजे से
वृष	17.23 बजे से
मिथुन	19.22 बजे से
कर्क	21.35 बजे से
सिंह	23.51 बजे से
कन्या	02.03 बजे से
तुला	04.14 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 317 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास कार्तिक पक्ष शुक्ल
तिथि चतुर्थी 20.43 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 17.17 बजे को समाप्त।
योग धृति 05.23 बजे को समाप्त।
करण वणिज 07.25 बजे तदनन्तर विष्टि 20.43 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 3.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 17° 54'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872892
जूलियन दिन 2461357.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 02
विशेष नागुला चविधि, लाभ चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55	से	07.23 बजे तक	रोग	05.38	से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51 बजे तक	काल	07.11	से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43	से	10.15 बजे तक
काल	10.19	से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15	से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47	से	01.19 बजे तक
रोग	01.15	से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19	से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10 बजे तक	चर	02.51	से	04.23 बजे तक
चर	04.10	से	05.38 बजे तक	रोग	04.23	से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

अमेरिका की संसद में दीपावली को सरकारी छुट्टी बनाने दिवाली डे एक्ट पेश, क्या भारत का महापर्व बनेगा अमेरिका का 12वां संघीय अवकाश?

क्या अब अमेरिकी संसद में भी गूंजेगा मां लक्ष्मी का जयघोष? दुनियाँ देख रही भारत की संस्कृति व आध्यात्मिक शक्ति का विस्तार! करोड़ों भारतवंशियों की निगाहें अमेरिकी कांग्रेस पर! -समग्र व्यापक महा- विश्लेषणअमेरिकी कानून में दर्ज होगी दीपावली की चमक! दिवाली डे एक्ट फिर पेश, प्रतिनिधि सभा से सीनेट तक पारित होने पर बनेगा अमेरिका का 12वां संघीय अवकाश, भारतीय संस्कृति की वैश्विक पहचान का नया अध्याय!

क्या अब अमेरिका में भी दीपावली पर होगी सरकारी छुट्टी? दीपावली को राष्ट्रीय अवकाश बनाने की फिर उठी मांग,दिवाली डे एक्ट पेश भारतीय मूल सहित 19 सांसद मैदान में, अमेरिकी संसद में मचा सांस्कृतिक सम्मान का नया विमर्श! वैश्विक स्तरपर भारतीय संस्कृति सनातन परंपरा और आध्यात्मिक विरासत का प्रभाव लगातार व्यापक होता दिखाई दे रहा है।दीपावली अब केवल भारत का धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्व नहीं रह गई है, बल्कि यह विश्व के अनेक देशों में शांति,सद्भाव, पारिवारिक एकता,सकारात्मकता और अंधकार पर प्रकाश की विजय का अंतरराष्ट्रीय प्रतीक बन चुकी है।वर्ष 2026 में दीपावली के अवसर पर अमेरिका से आई एक महत्वपूर्ण राजनीतिक एवं सांस्कृतिक खबर ने विश्वभर के भारतवंशियों का ध्यान आकर्षित किया है। अमेरिका में दीपावली को संघीय अवकाश घोषित करने के उद्देश्य से दिवाली डे एक्ट को प्रतिनिधि सभा में दोबारा पेश किया गया है।9 नवंबर 2026 को अमेरिकी कांग्रेस सदस्य ग्रेस मेंग ने इस विधेयक को फिर से प्रस्तुत किया, जिसे 19 अन्य अमेरिकी सांसदों का सह- प्रायोजन प्राप्त है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाले से बताना चाहूंगा कि इनमें भारतीय मूल के पांच प्रमुख सांसद राजा कृष्णमूर्ति,सुहास सुब्रमण्यम, श्री थानेदार,रो खन्ना और एमी बेरा भी शामिल हैं।यदि यह विधेयक अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों से पारित होकर कानून बन जाता है, तो दीपावली अमेरिका का 12वां संघीय अवकाश बन जाएगी। यह घटनाक्रम केवल एक छुट्टी घोषित करने की मांग नहीं, बल्कि बहुसांस्कृतिक समाज में भारतीय मूल की परंपराओं को संस्थागत पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

साथियों बात अगर हम दीपावली का छह दिवसीय वैश्विक उत्सव और अमेरिकी संसद तक पहुंची भारतीय संस्कृति की गूंज को समझने की करें तो,वर्ष 2026 की दीपावली ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि भारतीय संस्कृति की सीमाएंभौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं हैं।भारत से लेकर अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड,सिंगापुर, मॉरीशस, फिजी और खाड़ी देशों तक भारतीय समुदायों ने दीपावली को धार्मिक श्रद्धा, पारिवारिक मिलन और सामाजिक उल्लास के साथ मनाया।दीपों की रोशनी, रंगोली,लक्ष्मी- गणेश पूजन, मंदिरों में विशेष आराधना,सांस्कृतिककार्यक्रमों और सामूहिक उत्सवों ने विश्व के अनेक शहरों को भारतीय परंपराओं के रंग में रंग दिया।दीपावली का संदेश केवल धन-संपदा की कामना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मनुष्य को अपने भीतर के अज्ञान,अहंकार,नकारात्मकता और अन्याय के अंधकार को दूर करके ज्ञान, सदाचार और सद्भाव का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा देता है। इसी सांस्कृतिक यात्रा में गोवर्धन पूजा और अन्नकूट प्रकृति, पर्यावरण, कृषि, गौ-संरक्षण तथा सामूहिक सहभागिता का संदेश देते हैं।वहीं भाई दूज भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और पारिवारिक संबंधों की मधुरता को मजबूत करने वाला पर्व है।इन पर्वों का सामूहिक संदेश यह है कि भारतीय त्योहार केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की ऐसी सांस्कृतिक व्यवस्था हैं, जिसमें परिवार, समाज, प्रकृति और मानवता सभी का महत्व है।दुनिया के अलग- अलग देशों में बसे भारत वंशियों ने इन परंपराओं को अगली पीढ़ियों तक पहुंचाकर अपनी सांस्कृतिक पहचान को जीवंत रखा है।

साथियों बात अगर हम ग्रेस मेंग की पहल ने फिर जगाई अमेरिकी संघीय अवकाश की उम्मीद को समझने की करें तो,अमेरिका की प्रतिनिधि सभा में इस विधेयक को दोबारा पेश करने की पहल कांग्रेस सदस्य ग्रेस मेंग ने की है। वह न्यूयॉर्क के क्वींस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं और कांग्रेसनल एशियन पैसिफिक अमेरिकन कॉकस की अध्यक्ष भी हैं।उनके अनुसारदीपावली को संघीय अवकाश का दर्जा देने से अमेरिकी समाज में विविध सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं के प्रति सम्मान और समावेशिता का संदेश जाएगा।उन्होंने दीपावली के मूल दर्शन को अच्छाई की बुराई पर और ज्ञान की अज्ञानता पर विजय से जोड़ते हुए कहा कि यह पर्व हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध समुदायों सहित अनेक दक्षिण एशियाई परिवारों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके विधेयक का उद्देश्य केवल एक अतिरिक्त छुट्टी उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि अमेरिका के सार्वजनिक जीवन में उन समुदायों की सांस्कृत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीएनएच की आधारशिला रखी, कहा-

देश-विदेश की कंपनियां यूपी में कर रहीं निवेश

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यमुना सिटी के सेक्टर-8 में 100 एकड़ मे 1220 करोड रुपये की लागत से बनने वाली सीएनएच कंपनी की आधारशिला लखनऊ से ऑनलाइन रखी। इस दौरान जेवर में आयोजित कार्यक्रम में गौतम बुद्ध नगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, राज्यसभा सदस्य सुरेंद्र नागर, दादरी के विधायक तेजपाल नागर, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा, सीएनएच इंडस्ट्रियल एनवी के सीईओ गेरिट मार्क्स और सीएनएच इंडिया रीजन के प्रेसिडेंट एवं एमडी नरेंद्र मित्तल, कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी, निदेशक और अधिकारी मौजूद रहे।

यमुना प्राधिकरण ने सीएनएच कंपनी को सेक्टर-8 में 100 एकड़ जमीन आवंटित की है। यहां कंपनी ट्रैक्टर और अन्य कृषि मशीनरी का निर्माण करेगी। गुरुवार सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री ने इस कंपनी की वर्चुअल आधारशिला रखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विश्वास प्रकट करने के लिए के मै सीएनएच के प्रबंधन का हृदय है आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह प्रोजेक्ट प्रदेश में कृषि क्षेत्र, विकास और मॉडर्न मैन्युफैक्चरिंग को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट से स्थानीय युवाओं को रोजगार और व्यापार का अवसर मिलेगा।



उन्होंने कहा कि जिस प्रदेश के नाम में ही उत्तर है, उसके सामने 2017 से पहले कई प्रश्न थे। पलायन का, उपेक्षा का, पिछड़ेपन का, पहचान का, अराजकता का। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश आज उपद्रव प्रदेश से उत्सव प्रदेश बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रूल ऑफ माफिया के स्थान पर रूल आफ लॉ स्थापित हुआ है। उन्होंने बताया कि अच्छी कानून व्यवस्था की वजह से उत्तर प्रदेश में निवेश बढा है।प्रदेश विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ा है। अच्छी कानून व्यवस्था और उद्योग क्षेत्र को मिल रही बेहतरीन सुविधा के चलते देश- विदेश की कंपनियां लाइन लगाकर यहां पर निवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख निवेश क्षेत्र के रूप में अपनी नई पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था स्थापित होने के पीछे केवल पुलिस भर्ती ही नहीं है, उनके आधुनिकरण के साथ-साथ अपराध और अपराधियों के प्रति सरकार का सख्त रूख एक प्रमुख कारण रहा है। उन्होंने इस अवसर पर चुटकी लेते हुए कहा कि आपने यूपी के बुलडोजर की जरूर चर्चा सुनी होगी। इसलिए मैं कंपनी से इसबारे में कहूंगा कि आप यूपी में बुलडोजर और ट्रैक्टर की मैन्युफैक्चरिंग करने के लिए आए हैं ,तो देश और विदेश में स्वतः ही इसकी डिमांड होगी। बुलडोजर यहां का ब्रांड बन चुका है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। उन्होंने कहा की उद्योग को बेहतर बनाने के लिए प्रदेश में कई पॉलिसी लागू की गई है। विशाल इंडस्ट्रियल लैंड बैंक नेटवर्क एक मजबूत आधार उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि निवेश में प्रदेश टॉप पर है। उन्होने कहा कि एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट और डेडिकेटेड फ्रेड कॉरिडोर ने प्रदेश में कनेक्टिविटी को एक नई ताकत प्रदान की है।

उन्होंने कहा कि टाटा, सैमसंग, माइक्रोसॉफ्ट ,आईबीएम, इंफोसिस, एचसीएल, हिंदूजा ग्रुप आदि के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश में संयुक्त ग्रुप से उद्योग का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, एआई, सेमीकंडक्टर, स्टार्टअप और डाटा सेंटर से लेकर साइबर, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी तथा खेलकूद जैसे क्षेत्र में उत्तर प्रदेश आज तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। निवेश ,नवाचार, रोजगार के नए द्वार ढूंढ रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण उत्तर प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इसका विकास 25 हजार हेक्टेयर में किया जा रहा है। नरेन्द्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, नोएडा जेवर के विकास के साथ इस पूरे क्षेत्र को एक बड़े इंडस्ट्रियल इकोनॉमिक्स और लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित किया जा रहा है।

छठ पर घर जाने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने बढ़ाई विशेष ट्रेनों की संख्या

नई दिल्ली। छठ पर्व के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष प्रबंध किया है। यात्रियों, विशेषकर बिहार और पूर्वी भारत की ओर जाने वाले लोगों की सुविधा के लिए विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। उत्तर रेलवे के अनुसार, बुधवार (11 नवंबर) को दिल्ली क्षेत्र से कुल 34 विशेष रेलगाड़ियां चलाई गईं। इनमें 31 निर्धारित और तीन अनिर्धारित विशेष रेलगाड़ियां शामिल थीं। रेलवे के अनुसार, 11 नवंबर को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से 12, आनंद विहार से नौ, शकूरबस्ती से सात, हजरत निजामुद्दीन से चार, दिल्ली जंक्शन से एक और रोहतक से एक विशेष रेलगाड़ी चलाई गई। वहीं, गुरुवार (12 नवंबर) को दिल्ली क्षेत्र से कुल 31 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन निर्धारित किया गया है। इनमें नई दिल्ली से नौ, आनंद विहार टर्मिनल से सात, शकूरबस्ती से पांच, हजरत निजामुद्दीन से पांच, दिल्ली जंक्शन से तीन, रोहतक से एक और दिल्ली सराय रोहिल्ला से एक विशेष रेलगाड़ी शामिल है। इसके अतिरिक्त यात्रियों की भीड़ और मांग को देखते हुए अनारक्षित विशेष रेलगाड़ियां भी चलाई जाएंगी।

पंजाब पुलिस के पूर्व एसएसपी गुरमीत सिंह रंधावा को पांच साल की कैद

एजेंसी, मोहाली



- लुधियाना के ट्रांसपोर्टर अमरीक सिंह के अपहरण मामले में मोहाली की विशेष सीबीआई अदालत का फैसला

मोहाली की विशेष सीबीआई अदालत ने गुरुवार को वर्ष 1992 में लुधियाना के एक ट्रांसपोर्टर के लापता होने के मामले में पंजाब पुलिस के पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गुरमीत सिंह रंधावा को पांच साल की कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने बुधवार को रंधावा को दोषी करार दिया था। यह फैसला ट्रांसपोर्टर अमरीक सिंह सकरी के लापता होने के करीब 34 साल बाद आया है, जिन्हें लुधियाना में एक शादी समारोह से पुलिस अपने साथ ले गई थी। इसी मामले में आरोपित बनाए गए सिपाही परमिंदरजीत सिंह उर्फ बब्बू को अदालत ने बरी कर दिया है। पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता पुष्पिंदर सिंह नत्त ने बताया कि अदालत ने रंधावा को भारतीय दंड संहिता की धारा 365 (अपहरण) के तहत पांच साल की कैद और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। इसके अलावा भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत उन्हें दो साल की कैद और 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है। दोनों सजाएं एक साथ चलेंगी। अधिवक्ता नत्त ने बताया कि रंधावा को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किया गया। घटना के समय रंधावा तरनतारन में पुलिस उपाधीक्षक के पद पर तैनात थे।

मामले के अन्य आरोपित सहायक उपनिरीक्षक जसवंत सिंह, उपनिरीक्षक सुरिंदर सिंह, निरीक्षक सूबा सिंह और तरनतारन के पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह संधू की मामले की सुनवाई के दौरान मृत्यु हो चुकी है। दरअसल, 25 नवंबर, 1992 को अमरीक सिंह सकरी अपने साले की बेटी की शादी में शामिल होने लुधियाना पहुंचे थे। इसी दौरान पुलिस उन्हें अपने साथ ले गई थी। इसके बाद अमरीक सिंह का कोई पता नहीं चला।

संक्षिप्त समाचार

इजरायल में आया 4.5 तीव्रता का भूकंप

तेलअवीव। इजराइल के दक्षिणी तटीय शहर ईलात और लाल सागर के इलाकों में बुधवार को 4.5 तीव्रता के भूकंप के तेज झटके लगे। झटके लगते ही लोगों और पर्यटकों में अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षा के लिहाज से रमन एयरपोर्ट को तुरंत खाली करा लिया गया और कुछ समय के लिए उड़ानें रोक दी गईं। इसमें किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। इजराइल के जियोलॉजिकल सर्वे के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक इस भूकंप का केंद्र दक्षिणी सिनाई में ताबा के पास था, जो इजराइल सीमा से करीब 224 किलोमीटर की दूरी पर है। इसकी गहराई जमीन से 8 किलोमीटर नीचे बताई गई थी। केंद्र सीमा के पास होने के कारण इसके झटके काफी दूर तक महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस होते ही दक्षिणी इजराइल के कई इलाकों में तुरंत अलर्ट सिस्टम सक्रिय हो गया और खतरे के सायरन बजने लगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस भूकंप का सबसे ज्यादा असर ईलात के पास स्थित रमन एयरपोर्ट पर हुआ। जैसे ही भूकंप का अलर्ट मिला, एयरपोर्ट प्रशासन ने सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करते हुए यात्रियों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला और टर्मिनल को खाली करवा लिया। एयरपोर्ट के अंदर कुछ जगहों पर कांच टूटने की खबरें भी सामने आईं, लेकिन सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद परिचालन फिर से शुरू कर दिया गया। इजराइली रक्षा बलों ने इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना के सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। इस भूकंप ने इजराइल के इतिहास में आए 1927 के भयानक भूकंप की यादें ताजा कर दी हैं, जिसमें करीब 300 लोग मारे गए थे। विशेषज्ञों का मानना है कि इस सीरियाई-अफ्रीकी रिफ्ट घाटी क्षेत्र में हर सौ साल के बाद एक शक्तिशाली और विनाशकारी भूकंप आने का खतरा हमेशा बना रहता है। इसको देखते हुए इजराइली होम फ्रंट कमांड ने साल 2027 को भूकंप तैयारी वर्ष घोषित किया है। इस पूरे साल कई प्रशिक्षण सत्र और मॉक ड्रिल आयोजित किए जाएंगे, ताकि भविष्य में संभावित बड़े भूकंपों से बेहतर तरीके से निपटा जा सके।

मेलोनी की कार में बम और स्कूलों को मिली धमकी से हड़कंप

रोम। इटली में 11 नवंबर का दिन उस समय दहशत भरा साबित हुआ, जब देशभर के कम से कम 300 स्कूलों को अचानक अजीबो-गरीब ईमेल्स मिलने लगे। इन ईमेल्स में स्कूलों में भीषण बम धमाके करने और इटली के लोगों के खिलाफ हिंसा फैलाने जैसी खौफनाक धमकियां दी गई थीं। इन धमकियों ने न सिर्फ बच्चों की सुरक्षा पर सवाल खड़े किए, बल्कि सीधे इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भी निशाना बनाने का दावा किया गया। ईमेल मिलते ही देश के 300 से ज्यादा स्कूलों को तुरंत खाली करा लिया गया और पुलिस, बम निरोधक दस्ते तथा खुफिया एजेंसियां सभी कैंपसों की तलाशी में जुट गईं। धमकी में कहा गया था कि पीएम मेलोनी की कार में बम है। इन धमकी भरे ईमेल्स में इटली के लोगों के 'नरसंहार' और हिंसा फैलाने की बात कही गई थी।



मैसेज में दावा किया गया था कि स्कूल की इमारतों के अंदर एक 'पावरफुल विस्फोटक डिवाइस' रखी गई है, जिसे दूर बैठे ही रिमोट कंट्रोल से उड़ाया जा सकता है। इन धमकियों का दायरा केवल स्कूलों और बच्चों तक सीमित नहीं था, बल्कि इसमें इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का नाम सीधे तौर पर शामिल करते हुए लिखा गया था कि 'एक बम पीएम मेलोनी की कार के इंजन में भी फिट कर दिया गया है'। एक साथ देशभर के सैकड़ों स्कूलों और देश की प्रधानमंत्री को ऐसी सीधी धमकी मिलने से पूरी इतालवी सरकार में हड़कंप मच गया। स्कूलों और प्रशासन को भेजे गए इन सभी ईमेल्स के नीचे एक ही नाम लिखा हुआ था, 'मिखाइल एंड्रोपॉव, विलायत ऑफ मिसोगिनिस्तान का नेता'। हालांकि, इतालवी अधिकारियों के अनुसार, इस नाम या संस्था का कोई स्वतंत्र सत्यापन अभी तक नहीं हो सका है। जांच में यह भी सामने आया है कि यह कोई इकलौता मामला नहीं है। पिछले हफ्ते ही यूरोप के अन्य देशों, जैसे आयरलैंड और बुल्गारिया के मीडिया संस्थानों को भी इसी नाम से ऐसे ही धमकी भरे ईमेल्स मिले थे।

अल्मोड़ा में वाहन दुर्घटनाग्रस्त, मां-बेटी समेत तीन की मौत



अल्मोड़ा। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के धौलछीना थाना क्षेत्र के हरड़ा में बुधवार देर रात एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में वाहन सवार तीन लोगों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर तीनों के शव बरामद किए। एसडीआरएफ के अनुसार, 12 नवंबर को अल्मोड़ा के आपदा नियंत्रण कक्ष से हरड़ा में वाहन दुर्घटना की सूचना मिली थी। वाहन में तीन लोगों के सवार होने की जानकारी मिलने पर सरियापानी पोस्ट से उप निरीक्षक पंकज डंगवाल के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने स्थानीय पुलिस और ग्रामीणों के सहयोग से बचाव अभियान चलाया और दुर्घटनाग्रस्त वाहन से तीनों के शव बाहर निकाले। इसके बाद शवों को अग्रिम कार्रवाई के लिए जिला पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। मृतकों की पहचान हयात सिंह (36), निवासी ग्राम न्योली, बसंती देवी (40) और बीना देवी (19), निवासी ग्राम हरड़ा के रूप में हुई है। बसंती देवी और बीना देवी मां-बेटी थीं। दोनों हिम्मत सिंह की पत्नी और पुत्री थीं।

कैंचीधाम के पास कार खाई में गिरी, एक की मौत, चार घायल

एजेंसी, नैनीताल



उत्तराखंड के नैनीताल जिले के कैंचीधाम क्षेत्र में निगलाट के पास गुरुवार तड़के एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। कार सवार सभी पांच लोग उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के निवासी थे। घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भवाली में भर्ती कराया गया है।

आपदा कंट्रोल रूम नैनीताल से सूचना मिलने के बाद एसडीआरएफ की खैरना पोस्ट से उप निरीक्षक देवेंद्र कुमार के नेतृत्व में टीम घटनास्थल पर पहुंची। स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय कर रेस्क्यू अभियान चलाया। चार घायलों को खाई से निकालकर एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भवाली पहुंचाया गया।

जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, दुर्घटना रात के समय हुई। हादसे के दौरान कार (यूपी25ईजे4586) में पांच लोग सवार थे। दुर्घटना में बरेली जिले के भूत थाना क्षेत्र के मनकापुर निवासी संदीप शर्मा (पुत्र राजकुमार शर्मा) की मौत हो गई। घायलों की पहचान अनुज तिवारी (29), सनी (23), संचित तिवारी (26) और रवि के रूप में हुई है। सभी बरेली जिले के निवासी हैं। चारों को उपचार के लिए भवाली स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

समुद्र में उतरने से पहले वर्चुअल समंदर में होगा जहाजों का इम्तिहान, आईआईटी मद्रास ने बनाया 'सीनैव'

एजेंसी, नई दिल्ली



- स्वायत्त समुद्री नौवहन के लिए विकसित किया रियल टाइम डिजिटल ट्विन प्लेटफॉर्म

अब जहाजों का समुद्र में उतरने से पहले वर्चुअल समंदर में इम्तिहान होगा। 'सीनैव' तकनीक को वास्तविक समुद्र में उतारने से पहले परखने की चुनौती का समाधान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी),मद्रास के शोधकर्ताओं ने खोजा है। दरअसल, भविष्य की जहाजरानी में इन सवालों के जवाब कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्वायत्त प्रणालियां दे सकती हैं। संस्थान ने 'सीनैव' नाम का रियल टाइम डिजिटल ट्विन प्लेटफॉर्म विकसित किया है, जो समुद्र, जहाजों, लहरों, सेंसरों और पोत यातायात का आभासी प्रतिरूप तैयार कर स्वायत्त जहाजों की नेविगेशन प्रणालियों का परीक्षण, सत्यापन और प्रशिक्षण संभव बनाता है। इसके साथ ही आगे के लिए यह विश्वास पैदा हुआ है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वर्चुअल रियलिटी और अत्याधुनिक सेंसर फ्यूजन से लैस यह तकनीक भारत को भविष्य की स्मार्ट जहाजरानी के क्षेत्र में नई ताकत दे सकती है।

आईआईटी मद्रास के महासागर इंजीनियरिंग विभाग ने यह प्लेटफॉर्म ऐसी चुनौती के समाधान के लिए विकसित किया है, जिसमें स्वायत्त जहाजों की नेविगेशन प्रणाली को वास्तविक समुद्र में उतारने से पहले सुरक्षित और विश्वसनीय तरीके से परखा जा सके। समुद्र में परीक्षण के लिए विशाल जहाज, विशेषज्ञ दल, ईंधन, समय और अनुकूल परिस्थितियों की जरूरत पड़ती है। किसी तकनीकी चूक से जहाज, माल, पर्यावरण और मानव जीवन पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। 'सीनैव' इस पूरी प्रक्रिया को आभासी वातावरण में ले जाता है। इसमें समुद्र की लहरें, जहाजों की गतिविधियां, मौसम, सेंसरों के संकेत और आसपास चल रहे दूसरे पोतों का यातायात वास्तविक समय में तैयार किया जा सकता है। शोधकर्ता अलग-अलग परिस्थितियां बनाकर जांच सकते हैं कि स्वायत्त प्रणाली किस तरह निर्णय लेती है और कठिन परिस्थितियों में उसका प्रदर्शन कैसा रहता है। उल्लेखनीय है कि शोध दल ने वास्तविक सेंसर इनपुट और समुद्री तरंगों की परिस्थितियों में स्वायत्त पथ-अनुसरण तथा एआई आधारित टक्कर बचाव का प्रदर्शन किया है। यह इस अनुसंधान की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसका अर्थ है कि जहाज की दिशा तय करने और संभावित टक्कर से बचने वाली प्रणाली को वास्तविक समुद्री चुनौतियों के अनुरूप परखने की दिशा में कामयाबी मिली है। इस शोध का नेतृत्व करने वाले आईआईटी मद्रास के महासागर इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुरेश राजेंद्रन ने 'सीनैव' की उपयोगिता स्पष्ट करते हुए कहा, "सीनैव स्वायत्त समुद्री नौवहन प्रौद्योगिकियों के विकास और सत्यापन के लिए एक व्यावहारिक तथा विस्तार योग्य मंच प्रदान करता है।

संविधान दिवस पर आपातकाल को लेकर राष्ट्रीय सम्मेलन करेगा लोकतंत्र सेनानी संघ

एजेंसी, नई दिल्ली



संविधान दिवस पर 26 नवंबर को लोकतंत्र सेनानी संघ नई दिल्ली में आपातकाल को लेकर राष्ट्रीय सम्मेलन एवं संगोष्ठी आयोजित करेगा। जिसमें आपातकाल के दौरान संघर्ष करने वाले देशभर के लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित करने और उनकी लंबित मांगों को उठाने की रणनीति बनाई जाएगी। संगठन ने केंद्र और दिल्ली सरकार से 13 राज्यों की तर्ज पर लोकतंत्र सेनानियों को मासिक सम्मान निधि, आधिकारिक ताम्र पत्र और कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है। इस संबंध में गुरुवार को कनॉट प्लेस स्थित रेडिसन ब्लू होटल में विचार गोष्ठी एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं संघ के राष्ट्रीय सह-संरक्षक अश्विनी कुमार चौबे ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। वहीं, संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक ओ. पी. बब्बर, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष राजन ढींगरा और प्रदेश महामंत्री राज कुमार सपरा ने मीडिया के सामने अपनी बात रखी।

अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए देश पर आपातकाल थोपा और नागरिक अधिकारों को निलंबित कर दिया। बड़ी संख्या में युवाओं और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को जेलों में बंद किया गया तथा सत्याग्रहियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। उन्होंने दावा किया कि आज वही लोग लोकतंत्र खतरे में होने का भ्रम फैला रहे हैं, जबकि देश को आपातकाल के वास्तविक इतिहास से परिचित कराने की आवश्यकता है।

चौबे ने कहा कि 26 नवंबर को नई दिल्ली के एनडीएमसी सभागार में आयोजित होने वाला सम्मेलन लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाली पीढ़ी के त्याग और बलिदान को सम्मान देने का अवसर है। इसमें एनडीए के वरिष्ठ नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों और देशभर के लोकतंत्र सेनानी संगठनों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जा रहा है। सम्मेलन के बाद अभियान को जिला स्तर तक ले जाकर लाखों युवाओं को जोड़ने और 'लोकतंत्र प्रहरी' तैयार करने की योजना है।

संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओ. पी. बब्बर ने दिल्ली में आपातकाल के दौरान हुई गिरफ्तारियों का उल्लेख करते हुए शाह आयोग की रिपोर्ट के आधार पर बताया कि उस दौरान दिल्ली में कुल 2,083 गिरफ्तारियां हुई थीं। इनमें करीब 1,900 लोग राजनीतिक बंदी थे। इनमें बड़ी संख्या 17 से 24 वर्ष की आयु के छात्रों और युवाओं की थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दिल्ली में लगभग 450 से 500 लोकतंत्र सेनानी ही जीवित हैं।

महादेव सट्टा ऐप केस: सौरभ चंद्राकर रायपुर की विशेष अदालत में होगा पेश

एजेंसी, रायपुर



आठ दिनों की कस्टोडियल रिमांड खत्म होने के बाद महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप केस के मुख्य आरोपित सौरभ चंद्राकर को आज रायपुर की विशेष न्यायालय में पेश किया जाएगा। ओमान से प्रत्यर्पण के बाद सौरभ चंद्राकर को नवंबर की शुरुआत में रायपुर की विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया गया था, जहां से अदालत ने उसे 8 दिनों की सीबीआई रिमांड पर सौंपा था। सीबीआई की यह रिमांड अवधि आज समाप्त हो रही है, जिसके तहत उसे निर्धारित समयानुसार विशेष अदालत के समक्ष दोबारा पेश किया जाना है। सीबीआई के अधिकारी दिल्ली में पूछताछ के बाद उसे फ्लाइट से रायपुर लेकर आएंगे। आज की सुनवाई में सबसे अहम बात यह होगी कि सीबीआई आगे की पूछताछ के लिए दोबारा रिमांड मांगती है या नहीं। अगर सीबीआई रिमांड नहीं मांगती है तो ईडी अपने वारंट को लागू कराने के लिए अदालत में फिर से आवेदन पेश कर सकती है। ज्ञात हो कि पिछली सुनवाई में ईडी ने सौरभ को अपने वारंट पर गिरफ्तार करने की मांग की थी। हालांकि, अदालत ने उस समय ईडी के आवेदन को प्रीमैच्योर यानी समय से पहले दाखिल बताया था। अब आज की सुनवाई में ईडी दोबारा आवेदन देने की तैयारी में है। सीबीआई ने अन्य केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर सौरभ चंद्राकर को ओमान में पकड़ा था।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के घर के बाहर चला बुलडोजर, फुटपाथ से हटाए गए अवैध निर्माण

एजेंसी, कोलकाता



तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित घर के बाहर गुरुवार सुबह कोलकाता नगर निगम (केएमसी) ने बड़ी कार्रवाई की। सांसद के घर (121, कालीघाट रोड) के बाहर फुटपाथ पर बांस से बने अस्थायी ढांचे (शेड) को बुलडोजर से ढहा दिया गया। इस ढांचे के साथ ही सांसद के घर की चहारदीवारी के मुख्य द्वार के बाहर फुटपाथ घेरकर लगाए गए एक लोहे के गेट को भी गैस कटर से काटकर हटा दिया गया। आरोप है कि यह गेट अवैध रूप से फुटपाथ पर कब्जा करके लगाया गया था।

अवैध निर्माण हटाने की इस कार्रवाई के दौरान किसी भी तरह के विरोध या कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति से निपटने के लिए सांसद के घर के बाहर भारी संख्या जवानों को तैनात किया गया था। शांतिपूर्ण कार्रवाई के बीच केएमसी कर्मियों ने बांस और अन्य मलबे को हटाकर फुटपाथ को पूरी तरह साफ कर दिया। यह मामला पिछले कुछ दिनों से विवादों में था। लोगों की शिकायत थी कि फुटपाथ पर इस शेड और गेट के कारण राहगीरों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। पिछले शुक्रवार रात अभिषेक बनर्जी के जन्मदिन के जश्न के दौरान भी इस शेड के नीचे भारी भीड़ जमा हुई थी, जिससे इलाके में तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी। बुधवार शाम को भी पुलिस शेड हटाने के लिए अभिषेक के घर पहुंची थी। हालांकि, अभिषेक के कार्यालय के कर्मचारियों ने खुद ही अस्थायी ढांचे को हटाना

नक्सलवाद के खात्मे के बाद मप्र के बालाघाट के 100 गांवों की बदलेगी तस्वीर, 330 करोड़ की विकास योजना तैयार

एजेंसी, भोपाल



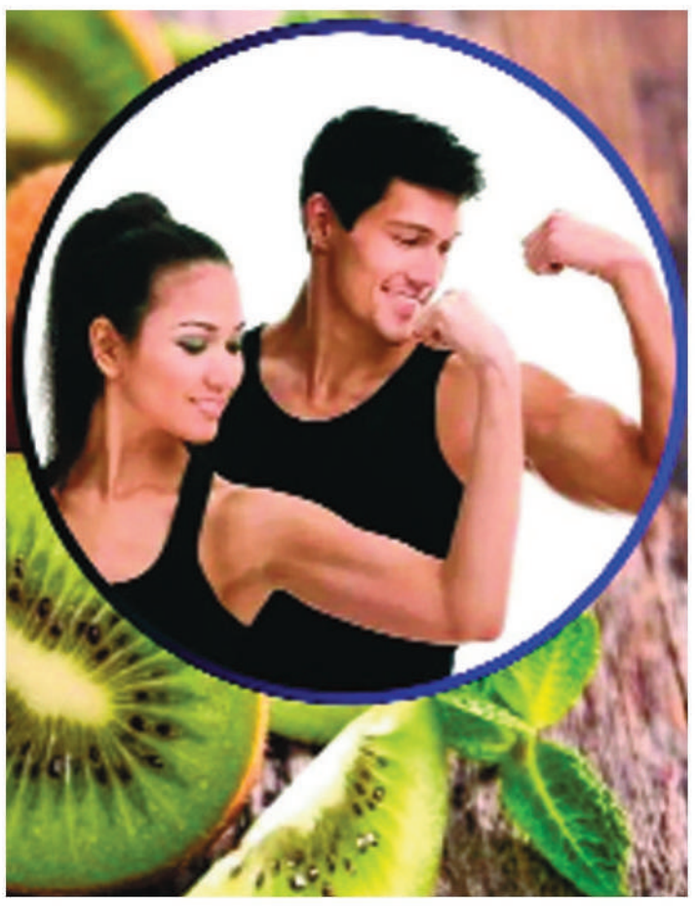
- शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई, रोजगार और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश एवं मार्गदर्शन में नक्सलवाद से मुक्त हुए बालाघाट जिले के प्रभावित क्षेत्रों में विकास की नई इबारत लिखने की तैयारी है। नक्सलवाद के सफाये के बाद अब सरकार का विशेष फोकस इन क्षेत्रों को सड़क, बिजली, पानी, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, पर्यटन और रोजगार की सुविधाओं से जोड़कर विकास की मुख्यधारा में लाने पर है। इसके लिए 100 गांवों के समग्र विकास के लिए 330 करोड़ रुपये की एक ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है। यह जानकारी गुरुवार को प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी), भोपाल एवं जिला प्रशासन बालाघाट द्वारा संयुक्त मीडिया कार्यशाला में दी गई। यह कार्यशाला नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हुए बदलावों और विकास की संभावनाओं को सामने लाने के लिए आयोजित की गई। बताया गया कि 100 गांवों के विकास के लिए बनाई गई कार्ययोजना में 266 करोड़ रुपये के काम मंजूर भी हो चुके हैं। इन क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए सरकार के प्रयास धरातल पर फलीभूत होने लगे हैं। यही कारण है कि भय को भुलाकर इस क्षेत्र में अब विश्वास और विकास की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं।

कार्यशाला में बालाघाट के डीआईजी विनीत जैन ने बताया कि 1239 अभियानों के बाद जिले से नक्सलवाद का खात्मा हुआ है। बालाघाट कलेक्टर आदित्य सिंह ने 100 गांवों के चहुंमुखी विकास के तैयार की गई 330 करोड़ रुपये की कार्ययोजना की सिलसिलेवार जानकारी दी। कार्यशाला में एसपी मलय जैन, एआईजी हॉक फोर्स रवि द्विवेदी, एडीशनल एसपी नितेश भार्गव, पीआईबी के निदेशक मनीष गौतम उपस्थित थे। कार्यशाला में जहां अधिकारियों ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की भावी रणनीति पर अपनी बात रखी, वहीं नक्सल प्रभावित रहे ग्रामों के सरपंचों और युवाओं ने प्रशासन को क्षेत्रीय विकास के लिए अन्य जरूरतों की जानकारी दी।

उल्लेखनीय है कि बालाघाट में क़रीब 35 सालों तक नक्सलवाद एक बड़ी चुनौती रहा। मार्च 2026 तक पुलिस एवं सुरक्षा बलों ने 1239 अभियान चलाकर जिले से नक्सलवाद का खात्मा किया। अब प्रभावित गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। पिछले पांच वर्षों में 337 करोड़ रुपये की लागत से 35 सड़क और 43 पुल-पुलियों के कार्य कराए गए हैं।

13-11-2026 T.P. Page 8_Layout 1 13-11-2026 08:47 Page 1



शरीर के लिए लाभप्रद है खट्टी-मीठी कीवी

फलों और सब्जियों के सेवन से स्वास्थ्य को जरूरी पोषक तत्व और विटामिन की पूर्ति होती है। ऐसा ही एक स्वादिष्ट फल हैं कीवी जिसे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता हैं। कीवी में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी, विटामिन सी, विटामिन बी, कैल्शियम, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, फॉस्फोरस, कॉपर, जिंक, नियासिन, पोटैशियम, राइबोफ्लेविन, बीटा कैरोटीन आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसका सेवन करने से कई गंभीर बीमारियों से रिकवरी करने में बहुत फायदा मिलता है।

गर्भवती महिलाओं के लिए कीवी बहुत फायदेमंद फल है। कीवी में फोलेट की पर्याप्त मात्रा होती है, जो गर्भ में पल रहे शिशु के दिमागी विकास के लिए बहुत फायदेमंद मानी जाती है। गर्भावस्था के दौरान कीवी खाने से बच्चों में न्यूरल डिफेक्ट का खतरा कम होता है। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के बाद भी कीवी का सेवन जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से उनमें डिलीवरी के बाद कमजोरी और खून की कमी दूर करने में मदद मिलती है।

डायबिटीज में फायदेमंद

डायबिटीज के मरीजों के लिए कीवी का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। कीवी में मौजूद गुण डायबिटीज के मरीजों में ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में फायदेमंद माने जाते हैं। डायबिटीज के मरीज डॉक्टर की सलाह लेकर रोजाना कीवी का सेवन कर सकते हैं। इससे उनका पाचन तंत्र भी दुरुस्त रहता है।

ब्लड क्लॉटिंग को रोके

कीवी के सेवन से शरीर में खून का थक्का जमने की दिक्कत भी नहीं होती है। इसमें एंटीथ्रोम्बोटिक यानी खून का थक्का न जमने देने का गुण मौजूद होता है, जिसकी वजह से स्ट्रोक, किडनी और हार्ट अटैक संबंधी दिक्कत का खतरा भी कम रहता है।

हड्डियों का रखता है ख्याल

कीवी में विटामिन के भी मौजूद होता है, जो ओस्टियोट्रोपिक एक्टिविटी या नए बोन सेल्स के डेवलपमेंट में योगदान कर सकता है। इसमें मौजूद विटामिन ई, मैग्नीशियम और फोलेट सभी तत्व स्वास्थ्य को कई लाभ प्रदान करते हैं।

कब्ज को दूर करे



कीवी फल, कब्ज को दूर करने में काफी मदद करता है। इसके सेवन से पुरानी से पुरानी कब्ज भी ठीक होने लगती है। यह गैस, ब्लोटिंग, एसिडिटी, अपच जैसी पेट की दिक्कतों को भी ये दूर करता है। अगर आप भी लगातार कब्ज की बीमारी से परेशान हैं तो कीवी का फल आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। यह पेट साफ करने में भी मददगार है।

हाई बीपी रहता है कंट्रोल में

कीवी में पोटेशियम और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके सेवन से हृदय स्वस्थ रहता है। साथ ही उच्च रक्तचाप कंट्रोल में रहता है। वहीं, फाइबर बढ़ते कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मददगार साबित होता है। एक शोध में उच्च रक्तचाप के मरीजों को एक हफ्ते में 8 किवी खाने की सलाह दी गई है। इसके लिए रोजाना कीवी का सेवन जरूर करें।

क्या आपका भी मिट्टी खाने का मन करता है

पाइका के हो सकते हैं लक्षण

अक्सर आपने बच्चों एवं महिलाओं को बत्ती, चौक या मिट्टी खाते हुए देखा होगा। कई लोगों को मिट्टी खाने की बहुत क्रेविंग होती है। साथ ही कई लोग इस आदत से परेशान भी होते हैं क्योंकि मिट्टी या चुना आपकी सेहत के लिए हानिकारक होता है। यह एक तरह की बीमारी होती है जिसे जियोफेजिया के नाम से जाना जाता है। वैसे मामूली स्थिति में मिट्टी खाने की क्रेविंग कैल्शियम की कमी के कारण होती है लेकिन इसके साथ यह एक बीमारी का भी लक्षण है।

क्या है पाइका

दरअसल मिट्टी खाने का सीधा संबंध पाइका नाम की बीमारी से है। इस बीमारी में इंसान मिट्टी खाने से खुद को रोक नहीं पाता है। ऐसी स्थिति ज्यादातर प्रेग्नेंट महिलाओं में देखी जाती है। इस बीमारी में मिट्टी खाने की लत किसी चीज़ के नशे के सामान होती है। एक्सपर्ट के अनुसार पाइका एक ऐसी बीमारी होती है जिसमें व्यक्ति को उन पदार्थों को खाने की इक्छा होती है जो खाने लायक नहीं है। इस बीमारी का नाम एक पक्षी के नाम पर रखा गया है। पाइका एक ऐसे पक्षी का नाम है जो कुछ भी खा लेते हैं इसलिए इस बीमारी को पाइका कहा जाता है।

इनकी कमी से होती है मिट्टी खाने की क्रेविंग

इसके साथ ही कई बार मिट्टी खाने का संबंध कैल्शियम की कमी से किया जाता है लेकिन यह एकमात्र ऐसा कारण नहीं है। आयरन की कमी के कारण भी मिट्टी या मिट्टी जैसे पदार्थों को खाने की इच्छा करती है। इस बीमारी में महिलाओं को मिट्टी खाने की बहुत क्रेविंग होती है। ऐसे में जब आप बार बार मिट्टी खाते हैं तो आपके पेट में बहुत सी समस्याएं हो सकती हैं।

किडनी स्टोन की हो सकती हैं समस्या

बार बार मिट्टी खाने से आंतों में रुकावट होती है। साथ ही आपके लीवर पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आपको बता दें कि मिट्टी खाने वाले बच्चों और बड़ों के शरीर में सूजन की परेशानी होने लगती है। मिट्टी खाने की वजह से आपका डाइजेशन भी खराब होता है जिससे खाना ठीक से पच नहीं पाता है।

नीमिया की समस्या भी हो सकती है जैसा कि बताया कि आयरन की कमी के कारण भी आपको मिट्टी खाने की समस्या होती है। मिट्टी खाने से इंसान एनीमिया का भी शिकार हो जाता है क्योंकि शरीर में हीमोग्लोबिन हो जाता है। हीमोग्लोबिन कम होने से खून में ऑक्सीजन नहीं जा पाता इस वजह से एनीमिया हो जाता है।







सेहत और त्वचा दोनों के लिए लाभकारी है हल्दी पानी

हल्दी का उपयोग हर किसी के घर में किया जाता है। हल्दी में एंटीइंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं। हल्दी का प्रयोग लगभग सभी प्रकार के खाने में किया जाता है। यह व्यंजनों के स्वाद में तो इजाफा करती ही है साथ ही इसमें अनेक औषधीय गुण भी होते हैं। यह गर्म और रूखी होती है। त्वचा, पेट और शरीर की कई बीमारियों में हल्दी का प्रयोग किया जाता है। हल्दी का सेवन पानी के साथ किया जाए, तो फायदे बढ़ जाते हैं। हल्दी का पानी सेहत और त्वचा दोनों के लिए लाभकारी होता है। जिन लोगों को बार-बार सर्दी-जुकाम और संक्रमण हो जाता है उन्हें अपनी डाइट में हल्दी के पानी को जरूर शामिल करना चाहिए।

गुणकारी हल्दी के अलग-अलग लाभ उठाने के लिए आपको किसी वैद्य या विशेषज्ञ की शरण में जाने की जरूरत नहीं है। अपने घर पर ही छोटे-छोटे प्रयोग कर इसके अलग-अलग लाभ उठाए जा सकते हैं। आमतौर पर देखा गया है कि लोग उठते ही गर्म पानी या फिर निम्बू पानी का सेवन करते हैं जिससे कि उनका पेट साफ़ हो और खुल कर शरीर की गंदगी बाहर निकल जाए यह शरीर के लिए फायदेमंद है, यदि इसमें थोड़ी सी हल्दी मिक्स कर दी जाए तो इसके गुणों में भारी इजाफा हो जाता है।

शरीर को शक्तिशाली बनाना

लगभग 500 ग्राम की मात्रा में हल्दी की गांठे और एक किलो बुझा हुआ चूना लेकर इसको एक मिट्टी के बर्तन में डालकर इसमें ऊपर से 2 लीटर पानी डालें। पानी डालते ही चूना पकने लगता है और जब यह ठण्डा हो जाए तो बर्तन को ढककर रख दें। इसके बाद 2 महीने बाद हल्दी की गांठों को निकालकर पीसकर चूर्ण बना लें। हल्दी की गांठों के चूर्ण को 3 ग्राम की मात्रा में लेकर 10 ग्राम शहद के साथ मिलाकर लगातार 4 महीने तक रोजाना खाने से शरीर का खून साफ हो जाता है और इससे शरीर में भरपूर ताकत आती है।

वजन कम होता है

अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो ऐसे में अपनी डाइट में हल्दी का पानी शामिल कर सकते हैं। हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है। फैट बढ़ाने वाले टिशूज को बनने से रोकने के लिए हल्दी का पानी पीना फायदेमंद होता है।

आंखों के रोग

हल्दी को अरहर की दाल में पकायें और छाया में सुखा लें उसे पानी में घिसकर, शाम होने से पहले ही दिन में दो बार जरूर लगायें इससे झामर रोग, सफेद फूली और आंखों की लालिमा में लाभ होता है।

नहीं होंगी त्वचा और बालों से जुड़ी समस्याएं

हल्दी का पानी खून साफ करता है। साथ ही इस पानी को पीने से शरीर में विषाक्त तत्वों को बाहर निकालने में मदद मिलती है। इससे एजिंग साइन्स जैसे झुर्रियां या मुरझाई त्वचा की समस्या दूर होगी। त्वचा की सूजन कम करने में हल्दी फायदेमंद मानी जाती है। इसका इस्तेमाल करने से त्वचा में निखार बढ़ता है।

पेट से जुड़ी समस्याएं दूर होंगी

हल्दी के पानी का सेवन करेंगे, तो पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे डायरिया, अपच, कब्ज, पेट में दर्द, पेट में ऐंठन आदि समस्याएं दूर होंगी। हल्दी का पानी पीने से शरीर में पित्त ठीक से बनता है और पाचन तंत्र मजबूत बनता है। हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण भी होते हैं। हल्दी के पानी का सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है। हल्दी में मौजूद लिपो पॉलिसैकेराइड की मदद से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले सेल्स बढ़ते हैं। एक गिलास गुनगुने पानी में एक नीम्बू निचोड़कर उसमें एक चुटकी हल्दी मिला लें और इसे सुबह खाली पेट पीएं। ऐसा करने से पेट में गैस बनने की समस्या दूर होती है और एसिडिटी, बदहजमी, फूड पॉइजनिंग, कब्ज आदि बीमारी से भी छुटकारा मिलता है जिससे सुबह पेट पानी की तरह साफ़ होगा।

हार्ट की बीमारियों से होगा बचाव

हल्दी का पानी शरीर से कोलेस्ट्रॉल का स्तर को नियंत्रण रखने में मदद करता है। हल्दी का पानी पीने से खून के थक्के बनने से रोकने में मदद मिलेगी। इससे आपको हार्ट से जुड़ी बीमारियों का खतरा नहीं होगा।

कम होती है सूजन

शरीर में सूजन कितनी भी क्यों न हो हल्दी सूजन को कम करने में सहायक है इसमें करक्यूमिन नामक एक रसायन पाया जाता है जो दवा के रूप में काम करता है इसीलिए आपने देखा होगा किसी को भी चोट लग जाती है तो हमारे बुजुर्ग हल्दी दूध में डालकर पिलाते थे।

ब्लाकेज से बचाती है हल्दी

जिन लोगो की खून की धमनियों में ब्लाकेज की शिकायत है उनको तो अवश्य ही हल्दी वाला पानी सेवन करना लाभदायक है क्योंकि हल्दी खून को जमने से रोकती है अदरक भी खून को पतला रखती है और ब्लाकेज से बचाती है।

हड्डी के टूटने पर

हड्डी के टूटने पर रोज हल्दी का सेवन करने से लाभ मिलता है। एक प्याज को पीसकर एक चम्मच हल्दी मिलाकर कपड़े में बांध लें। इसे तिल के तेल में रखकर गर्म करें और इससे फिर सेंक करें। कुछ देर सेंकने के बाद पोटली खोलकर दर्द वाले स्थान पर बांध दें।

नहीं पनपने देती बैक्टीरिया

यदि किसी कारण से शरीर के बाहरी या अंदरूनी हिस्से में चोट लग जाए-तो हल्दी वाला दूध उसे जल्द से जल्द ठीक करने में बेहद लाभदायक है क्योंकि यह अपने एंटी बैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुणों के कारण बैक्टीरिया को पनपने नहीं देता है।

त्वचा के रोग

हल्दी को पीसकर तिल के तेल में मिलाकर मालिश करें इससे चर्म रोग खत्म हो जाएगा। या अगर शरीर में खुश्की (चमड़ी सूख) गई हो तो सरसों के तेल में हल्दी को मिलाकर शरीर पर उसकी मालिश करने से लाभ होता है।

मसूढ़ों का रोग

हल्दी को मोटा-मोटा कूटकर आग पर भून लें। इसे बारीक पीसकर कपड़े से छानकर प्रतिदिन सुबह-शाम मसूढ़ों पर मलें। इससे मसूढ़ों के रोग ठीक हो जाते हैं।





सर्दियों में इन आदतों की वजह से बढ़ जाती है कब्ज की परेशानी

सर्दियों में अक्सर लोगों को कब्ज की परेशानी हो जाती है। इसका सबसे मुख्य कारण होता है ठंड के मौसम में शरीर के फंक्शन में बदलाव आना। डाइजेस्टिव सिस्टम स्लो हो जाता है, लेकिन हमारी कुछ आदतें भी हैं जो सर्दियों कब्ज को बढ़ा सकती हैं । आपका पाचन तंत्र ठीक से काम करें इसके लिए जरूरी है कि आप ठीक प्रकार से हाइड्रेट रहें। वहीं सर्दियों में गर्मी के मुकाबले लोग पानी कम पीते हैं, क्योंकि प्यास ही कम लगती है। पानी की कमी से मल सूखा और कठोर हो जाता है, जिससे कब्ज की समस्या बढ़ जाती है। ठंड के मौसम में लोग ज्यादातर घर में ही बिताते हैं। शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती है और इस वजह से आंतों की गतिविधि धीमी हो जाती है जिससे कब्ज हो सकती है। सर्दी का मौसम सुहावना होता है और इस मौसम में अक्सर लोग तला भुना, भारी खाना खाते हैं जो पाचन क्रिया को और भी धीमा कर देता है। सर्दियों में लोगों के आहार में फाइबर की कमी हो जाती है। लोग सलाद वगैरह कम खाने लगते हैं फाइबर की कमी से भी पाचन धीमा हो जाता है। जिससे कब्ज की समस्या पैदा हो सकती है।

ठंड में लोग चाय कॉफी- अधिक सेवन करते हैं और कैफीन अधिक सेवन करने से शरीर में पानी की कमी हो सकती है, जिससे मल सूखा और कठोर हो जाता है। वहीं सर्दियों के मौसम में लोगों को तनाव और उदासी बनी रहती है। इससे भी पाचन तंत्र प्रभावित होता है। आंतों की गति धीमी हो जाती है। इसके अलावा ठंडी हवा के कारण शरीर की मांसपेशियां संकुचित हो जाती है जिससे आंतों की गतिविधि में रुकावट आ सकती है।

सभी पोषक तत्वों की कमी पूरी करता है मल्टीग्रेन आटा

मल्टीग्रेन आटे का अर्थ है मिला जुला आटा या कई तरह के अनाज का मिक्स आटा। इस में गेहू के साथ ही ज्वार, बाजरा, जौ, काला चना, रागी, जई, मक्का, क्विनोआ, सूजी, चावल, सिंघाड़े, राजगिरा आदि के आटे को मिलाकर आटा तैयार किया जाता है। इस आटे में विटामिन, प्रोटीन, डाइटरी फाइबर, कार्ब्स, आयरन, कैल्शियम, खनिज आदि कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। मल्टीग्रेन आटा ज्यादातर ग्लूटेन फ्री होता है।

वजन होता है कम

इसके लिए आपको गेहूं के आटे में जई, मक्का, ज्वार और चना मिलाकर उसकी रोटी बनाकर खाना चाहिए। इसमें फाइबर अधिक होने से यह पाचन के लिए ठीक रहेगा और साथ ही यह वेट लॉस करेगा। यह कई सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर होने के साथ-साथ शरीर को संपूर्ण पोषण प्रदान करता है। इसमें कई तरह के विटामिन होते हैं जिसके चलते शरीर में विटामिन की कभी कमी नहीं होती है।

पाचन तंत्र को सुधारता

यह फाइबर से भरा होता है जो अच्छे आंत बैक्टीरिया का पोषण करता है, जिसके चलते पाचन तंत्र में सुधार होता है और मेटाबॉलिज्म में भी सुधार करता है।

शारीरिक दर्द और सूजन को कम करता है बाजरा

बाजरा में सूजन-रोधी गुण होते हैं। मल्टीग्रेन आटा में बाजरे का आटा मिला होने से यह जोड़ों के दर्द और सूजन में लाभदायक है।

मांसपेशियां होती है मजबूत

इससे मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इस आटे में सोयाबीन, चना और जौ भी मिलाया जाए तो यह प्रोटीन का अच्छा सोर्स बन जाता है। बच्चों के शारीरिक विकास के लिए यह मददगार साबित हो सकता है।

